INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय
RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-41 | मथुरा, मंगलवार, 7 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सनातन धर्म से बड़ा कोई नहीं हो सकता : योगी

वृंदावन में वंशीवट क्षेत्र स्थित मलूक पीठ में संत मलूकदास महाराज के 452 वें जयंती महोत्सव पर संतों को संबोधित करते यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत करते संत राजेंद्र दास महाराज।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। मलूक पीठ में संत मलूकदास महाराज के 452 वें जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम मे शामिल होने के लिए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहुंचे। मंच पर आश्रम के महंत राजेंद्र दास ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए उन्हें श्रीनाथ जी की छवि भेंट की। इसके बाद मुख्यमंत्री ने मंच पर मौजूद संतों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर करीब 4:15 बजे पवनहंस हेलीपैड पर उतरा। उनके आने से पहले तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इससे उनके कार्यक्रम के टेंट उड़ गए। मुख्यमंत्री के पहुंचने पर डीएम–एसएसपी दौड़ते हुए नजर आए।

बारिश के बाद मुख्यमंत्री पहुंचे वृंदावन

मुख्यमंत्री ने जयंती महोत्सव कार्यक्रम में संतों को संबोधित किया। कहा कि सनातन धर्म से बड़ा कोई नहीं हो सकता। अयोध्या में हमने राम जन्मभूमि को मुक्त होते देखा है और भव्य प्राण–प्रतिष्ठा का साक्षी बने हैं। साल 2026 चल रहा है। साल 1526 में संभल में हरिहर मंदिर को बाबर के अनुयायियों ने तोड़ा था। वहां 67 तीर्थ और 19 कूप थे। साल 1976 और 1978 में दंगे हुए, जिनमें सैकड़ों हिंदू मारे गए। बाद में सपा सरकार में मुकदमे वापस करा दिए गए। अब वहां सड़क बन रही है, धर्मशाला बन रही है और परिक्रमा भी शुरू हो रही है। उन्होंने कहा कि 1528 में बाबर के सिपहसालार ने राम मंदिर को तोड़ा था। 500 वर्ष पूरे होने से पहले ही हमने उसे वापस प्राप्त कर लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में 2017 से पहले तीन घंटे बिजली मिलती थी, संकरी गलियां थीं और दुर्घटना का डर बना रहता था। आज अयोध्या जाएं तो वहां आज 50 हजार लोग एक साथ दर्शन कर सकते हैं। यह डबल इंजन सरकार का प्रयास है और यही विकास की गति है, जिसे हम प्रगति की ओर ले जा रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि 22वीं पीढ़ी में जगद्गुरु मलूकदास जी महाराज का आदरपूर्वक स्मरण किया जाता है। यह हमारी परंपरा है।

वंशीवट क्षेत्र स्थित मलूक पीठ में संत मलूकदास महाराज के 452वें जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत, योग गुरु स्वामी रामदेव, गीता मनीषी संत ज्ञानानंद महाराज, मलूक पीठाधीश्वर डॉ. राजेंद्र दास महाराज, गोरेलाल महाराज, बाबा बलराम दास, लाडली शरण महाराज, फूलडोल महाराज धीर समीर वाले महाराज आदि।

अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनेगा

पक्मइख सअवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने योगिराज श्रीकृष्ण की क्रीड़ा स्थली से पश्चिम एशिया में अशांति की ओर इंगित किया। कहा कि अब समय आ गया है कि भारत विश्व गुरु बनेगा और विश्व को नई सीख और सुंदर दुनिया बनाएगा। उन्होंने कहा कि संतों द्वारा दिखाई गई राह के अनुसरण से ही संभव होगा। पानीघाट स्थित श्री पहाड़ी बाबा भक्तमाली गौशाला में श्रीमद्जगदगुरु द्वाराचार्य मलूक दाजी महाराज के जयंती महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत संतों की प्रेरणा और आध्यात्मिक मूल्यों के आधार पर विश्व को नई दिशा देगा। कहा कि भारत वर्ष सबको प्रकाशित करे, इसकी आवश्यकता है। अपनी आध्यात्मिक परंपरा के आधार पर रीति और नीति ऐसी होनी चाहिए। सत्य के आधार पर जीवन खड़ा होने की आवश्यकता है। इसके लिए संतों के सानिध्य देश को प्राप्त है। संतों के शब्द और शब्द के पीछे के भाव को भी देखना और उसे लेकर ही आगे बढ़ते रहना है।

आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत के बोल..

श्रीराम मंदिर की तरह गौ हत्या के विरोध में जनभावना पैदा करें

संतों को संबोधित करते आरएसएस प्रमुख डॉ. मोहन भागवत।

संतों को संबोधित करते योग गुरु स्वामी रामदेव।

यूनिक समय, वृंदावन। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत आज वंशीवट क्षेत्र स्थित मलूक पीठ में संत मलूकदास महाराज के 452वें जयंती महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे। संतों के बीच उन्होंने कहा कि मलूक पीठ में 452 वर्ष से संत मलूक दास की परंपरा को जीवंत रखे हुए हैं। इससे जीवन दर्शन की सीख सभी को लेनी चाहिए। सत्य, करुणा के बिना धर्म नहीं हो सकता। सबको मिलकर रहना चाहिए। करुणा जीवन में तब आती है जब सबका दुख अपना दुख लगता है। देश के 142 करोड़ लोग संतत्व को प्राप्त होगा यह संभव नहीं है, लेकिन सभी का सुचिता पूर्ण जीवन हो इसके लिए प्रयास करना है।

महंत राजेंद्र दास महाराज के गौ हत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध की मांग पर उन्होंने कहा कि समाज को गोभक्त बनाओ गौ हत्या अपने आप रुक जाएगी। लोगों को इसके लिए सामर्थ्यवान बनाओ। यह एक साहसी कदम होगा। जब गौ हत्या के विरोध में देश में जनभावना खड़ी हो गई तो सरकार को यह मानना होगा। जिस तरह से श्रीराम मंदिर के लिए भावना सारे देश में दिखी। ऐसी ही गाय के लिए भावना दिखनी चाहिए। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत वर्ष सबको प्रकाशित करे, इसकी आवश्यकता है। अपनी आध्यात्मिक परंपरा के आधार पर रीति और नीति ऐसी होनी चाहिए। सत्य के आधार पर जीवन खड़ा होने की आवश्यकता है। इसके लिए संतों के सानिध्य देश को प्राप्त है। संतों के शब्द और शब्द के पीछे के भाव को भी देखते हैं। उसे लेकर ही आगे बढ़ते रहना है।

कार्यक्रम के मंच पर मलूक पीठाधीश्वर डॉ. राजेंद्र दास महाराज, योग गुरु बाबा रामदेव, गोरेलाल महाराज, बाबा बलराम दास, लाडली शरण महाराज, फूलडोल महाराज धीर समीर वाले महाराज तथा गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज आदि उपस्थित थे।

होटल पर हंगामा करने के आरोपी की जमानत याचिका खारिज

यूनिक समय, मथुरा। जिला एवं सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने होटल पर मारपीट करने और फायरिंग करने के आरोपी चोखेलाल उर्फ कर्मवीर की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि बरसाना थाना क्षेत्र में 13 फरवरी 2026 की रात करीब साढ़े नौ बजे आरोपी कुलदीप के होटल पर खाना खाने व शराब पीने के लिए पहुंचे थे। कुलदीप ने उन्हें शराब पीने से मना कर दिया था। इस पर आरोपी और उसके साथियों ने होटल पर हंगामा व मारपीट की। होटल पर खड़ी गाड़ियों में तोड़ फोड़ कर फायरिंग भी की। साथ मारपीट करना व तमंचे से गोली चलाना जानसे मारने की धमकी देने के मामले में आठ नामजद और 40–50 अज्ञात लोगों के खिलाफ बरसाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने चोखेलाल उर्फ कर्मवीर थाना बरसाना को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया था। चोखेलाल उर्फ कर्मवीर ने वकील के माध्यम से जमानत के लिए प्रार्थना पत्र जिला जज विकास कुमार की अदालत में दिया था। डीजीसी ने जमानत याचिका का कड़ा विरोध किया। न्यायाधीश ने जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया।

गैस महंगी, बचपन सस्ता, उलझे मासूम

रोटी के लिए पढ़ाई छोड़ लकड़ी उठाने को मजबूर

गरीबी और महंगाई के बीच शिक्षा होती जा रही पीछे

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। ईरान-इजराइल युद्ध के चलते बढ़े वैश्विक ईंधन संकट का असर अब मथुरा के ग्रामीण इलाकों में साफ दिखाई देने लगा है। गैस और डीजल-पेट्रोल के बढ़ते दामों ने गरीब परिवारों की आर्थिक हालत को बुरी तरह प्रभावित किया है। हालात यह हैं कि बच्चों के हाथों से किताबें छूटकर अब काम के बोझ में दबती नजर आ रही हैं। 'स्कूल चलो अभियान' के दावे जारी हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई इससे उलट तस्वीर पेश कर रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों से सामने आ रहीं तस्वीरें चौंकाने वाली हैं। कहीं छोटे-छोटे बच्चे सिर पर लकड़ी के गट्ठर उठाए सड़कों पर चलते दिख रहे हैं तो कहीं खेतों में झुककर फसल के अवशेष इकट्ठा कर रहे हैं। गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने के बाद परिवारों ने वैकल्पिक ईंधन के तौर पर लकड़ी का सहारा लेना शुरू कर दिया है और इस व्यवस्था का बोझ बच्चों पर आ गया है। परिवारों का कहना है कि महंगाई ने घरेलू बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। दो वक्त की रोटी जुटाना ही मुश्किल हो गया है, ऐसे में बच्चों की पढ़ाई पीछे छूटती जा रही है। कई अभिभावक मानते हैं कि स्कूल भेजना अब उनके लिए अतिरिक्त खर्च जैसा हो गया है। नतीजतन, स्कूलों में नामांकन तो हो रहा है, लेकिन उपस्थिति लगातार गिर रही है।

यह स्थिति सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े कर रही है। 'स्कूल चलो अभियान' का उद्देश्य हर बच्चे को शिक्षा से जोड़ना है, लेकिन मौजूदा हालात में यह लक्ष्य कमजोर पड़ता दिख रहा है। गांवों में बच्चों का बढ़ता श्रम इस बात का संकेत है कि आर्थिक संकट सीधे शिक्षा व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और गंभीर हो सकती है। जरूरत है कि प्रशासन जमीनी स्तर पर हालात का आकलन करे और ऐसे परिवारों को राहत व सहयोग उपलब्ध कराए। वरना गैस संकट की यह मार आने वाली पीढ़ी के भविष्य को गहरे संकट में डाल सकती है।

खेतों में काम करते बालक।

लकड़ी के गट्ठर ले जाते दो बालक।

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

20 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,49,390
22 कैरेट 1,37,438
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,28,430 प्रति किलो

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के प्रेरणादायक बोल..

नारी जब अपनी शक्ति पहचान लेती है तो बन जाती है 'नारायणी'

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। हाईकोर्ट लखनऊ खंडपीठ की अधिवक्ता शुभि शर्मा ने महिलाओं एवं बाल अधिकारों के संरक्षण पर कार्य करने के लिए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात कर अमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया।

राज्यपाल ने कहा कि महिलाओं में शिक्षा और जागरूकता बढ़ाना ही बाल विवाह व दहेज जैसी कुरीतियों को खत्म करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। नारी स्वयं प्रेरणा का स्वरूप है और जब वह अपनी क्षमता पहचान लेती है तो 'नारायणी' बन जाती है। उन्होंने बाल विवाह और दहेज जैसी कुरीतियों को खत्म करने के लिए महिलाओं में शिक्षा और जागरूकता को जरूरी बताया।

एडवोकेट शुभि शर्मा ने बताया कि वह महिलाओं और बच्चों को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में जागरूक करने का कार्य करेंगी एवं घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, दहेज निषेध और बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों की जानकारी सरल भाषा में दी जाएगी।

यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात करतीं हाईकोर्ट लखनऊ खंडपीठ की अधिवक्ता शुभि शर्मा।

इस अवसर पर उनके साथ आईएएस अवनीश कुमार शर्मा, वरिष्ठ समाजसेविका मधु शर्मा आदि उपस्थित थे। विदित रहे कि नाबालिक लड़कियों की शादी होने के बाद बालिग होने पर

राज्यपाल से मिलीं एडवोकेट शुभि शर्मा

लड़की पक्ष के माता पिता लड़की को वापस बुलाने की कोशिश करते हैं। जबकि लड़का लड़की स्वेच्छा से साथ रहना चाहते हैं। ऐसे में कौन से कानून का संशोधन किया जाए या नाबालिग लड़की से लव मैरिज होने के बाद लड़की के बालिग होने पर लड़का उसे छोड़ दे तो उसके लिए क्या दंड हो, ऐसे कानून में क्या संशोधन किया जाए, इसके लिए राज्यपाल ने एडवोकेट शुभि शर्मा को कानून संशोधन के विषय में वार्ता करने को पुनः आमंत्रित किया है। विदित रहे मथुरा में कार्यरत रहे आईएएस अवनीश कुमार शर्मा की बेटी हैं शुभि शर्मा।

आयुष्मान कार्ड के बावजूद पीड़ितों का शोषण कर रहे अस्पताल

यूनिक समय, बाजना (मथुरा)। मथुरा के एक निजी अस्पताल द्वारा एक्सीडेंट से घायल मरीज के साथ दुर्व्यवहार एवं उसके आयुष्मान कार्ड के दुरुपयोग का मामला सामने आया है। इस मामले में पीड़ित ने जिलाधिकारी के यहां गुहार लगाई है।

निजी अस्पतालों द्वारा आयुष्मान कार्डों से किए जा रहे घोटालों के मामले संज्ञान में आ रहे हैं। बताते चलें कि कस्बा नौहझील निवासी कयाम कुरैशी के पुत्र बिलाल कुरैशी का 17 मार्च को एक्सीडेंट हो गया था। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे मथुरा के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। घायल मरीज आयुष्मान कार्ड धारक है उसने अस्पताल में भर्ती होने के दौरान सरकार द्वारा निर्गत आयुष्मान कार्ड व आधार कार्ड एवं अन्य कागज अस्पताल में जमा कर दिए। इसके अतिरिक्त अस्पताल द्वारा मरीज से 70 हजार रुपए ले लिए गए। मरीज को उपचार के दौरान लाभ भी नहीं हो रहा था।

पैसे देने के नाम पर मरीज के तीमारदारों द्वारा आयुष्मान कार्ड की बात की जाती थी तो यह लोग और इनका स्टाफ लगातार गुमराह करते

आयुष्मान कार्ड से पेमेंट होने के बाद भी पीड़ित से वसूला बिल

पीड़ित ने जिलाधिकारी से लगाई न्याय की गुहार

रहे। जब इन्होंने ज्यादा कहा तो हॉस्पिटल स्टाफ ने उनके साथ अभद्रता शुरू कर दी और धमकाना शुरू कर दिया। तब पीड़ित द्वारा 112 नंबर पर कॉल करके पुलिस को बुलाया गया और बेहतर उपचार के लिए अन्यत्र ले गए। जब अस्पताल वालों ने बिल व पर्चे दिए तो पता चला कि इनके द्वारा आयुष्मान कार्ड से रुपये निकालकर घोटाला करने हेतु घायल व्यक्ति को दो बार डिस्चार्ज करके एडमिट करना दिखाया। यह बात पीड़ित को आयुष्मान कार्ड की समरी से पता चली। इस तरह गरीबों के साथ अस्पताल संचालक आयुष्मान कार्ड से सरकारी धन का घोटाला कर रहे हैं। पीड़ित व्यक्ति ने जिलाधिकारी से इस मामले की जांच कर उसके रुपए वापस करने की मांग की है।

ठगी | जेवर खरीदें सोच-समझकर, बाजार में बढ़ा फर्जी खेल

भरोसे का हॉलमार्क बना ठगी का हथियार

कारोबार संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। महंगाई के दौर में यदि सोने और चांदी के जेवर खरीदने के मूड़ में हैं तो सतर्क होकर खरीदिए। कहीं आप भरोसे की ठगी के शिकार न हो जाएं। जानकार सूत्रों की मानें तो सोने की शुद्धता की गारंटी के लिए लागू हॉलमार्किंग सिस्टम अब खुद ही ठगी का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। जिस हॉलमार्क पर ग्राहक आंख बंद कर भरोसा करता है, वहीं अब फर्जी तरीके से जेवरों पर लगाया जा रहा है।

20 कैरेट के जेवर 12-14 कैरेट के निकले

ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) ने दो ग्राम से ज्यादा सोने के जेवर पर यूनिक आईडी (एचयूआईडी) वाला हॉलमार्क अनिवार्य किया है, जिसे एप से चेक किया जा सकता है। इसके बावजूद लेजर मशीन से नकली हॉलमार्क लगाए जा रहे हैं, जिससे ग्राहक धोखा खा रहे हैं। मध्य प्रदेश के सात जिलों में 20 से 22 कैरेट बताकर बेचे गए जेवरों की जांच कराई। इनमें 12 से 14 कैरेट सोना ही निकलने की चर्चा है। बाजार में 100-200 रुपए में फर्जी हॉलमार्क लगाने का खेल चल रहा है और लेजर मशीन से नकली बीआईएस लोगो व 22/916 जैसी मार्किंग धड़ल्ले से की जा रही है। हालांकि मथुरा में अभी तक ऐसा कोई केस सामने नहीं आया है।

फर्जी हॉलमार्क का नुकसान

10 ग्राम पर 48 हजार रुपये तक घाटा

बिना एचयूआईडी वाले जेवर खरीदना सीधे नुकसान का सौदा है। मान लीजिए 1.35 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव से 22 कैरेट का जेवर खरीदा। अगर जांच में वह 14 कैरेट निकला तो उसकी कीमत सिर्फ 87 हजार रुपए रह जाएगी। यानी 10 ग्राम पर करीब 48 हजार रुपए का नुकसान। अगर वही जेवर 16 कैरेट निकला तो उसकी कीमत करीब 97 हजार रुपए होगी, यानी 10 ग्राम पर करीब 38 हजार रुपए का घाटा। एक ग्राहक ने ने 20 कैरेट हॉलमार्क वाली अंगूठी खरीदी थी। बीआईएस के अधिकृत सेंटर पर जांच में यह 14.49 कैरेट निकली। इसमें सोना 59.52% था, जबकि 22 कैरेट में 83.30% सोना होना चाहिए। इसी तरह से न जाने कितने लोग भरोसे की ठगी का शिकार हो रहे हैं। (यूनिक आईडी) हॉलमार्क होता है। इसमें बीआईएस का लोगो, कैरेट, शुद्धता (जैसे 22/916) और छह अंकों की यूनिक आईडी होती है। ग्राहक इस यूनिक आईडी को मोबाइल के बीआईएस केयर एप से खुद भी वेरिफाई कर सकते हैं।

राया नगर पंचायत में मनोनीत सभासदों ने शपथ ग्रहण की

यूनिक समय, राया (मथुरा)। भाजपा शासन द्वारा नगर पंचायत में मनोनीत सभासदों को एसडीएम मांट ने शपथ दिलायी। मंगलवार को आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में क्षेत्रीय विधायक पूरन प्रकाश की मौजूदगी में मनोनीत सभासद मोहित अग्रवाल, साधना अग्रवाल तथा ज्ञानेंद्र चौधरी को मांट एसडीएम रितु सिरोही ने गोपनीयता और पद की शपथ दिलायी। विधायक पूरन प्रकाश ने कहा कि मनोनीत सभासद अपने दायित्व का निर्वाचन करते हुए राया के विकास में ईमानदारी से कार्य करेंगे। नगर पंचायत अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने कहा कि नगर पंचायत में 14 वार्ड सभासदों के साथ नव निर्वाचित तीनों सभासदों के सहयोग से राया में विकास कार्यों को गति मिलेगी। जल्दी ही कस्बा को सड़क, बिजली, पानी तथा जलभराव की समस्याओं से निजात मिलेगी। इस दौरान अधिशाषी अधिकारी शिवकुमार चेयरमैन प्रतिनिधि अखिल अग्रवाल, लिपिक अमित शर्मा, अनिल रावत, हरवीर सिंह, भाजपा जिला महामंत्री आकाश चौधरी, चंद्रप्रकाश अग्रवाल, संचालन मनोनीत सभासद पति मुकेश अग्रवाल ने किया।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

टेलर की दुकान में लगी भीषण आग

आग से 10 लाख रुपये का सामान जलकर राख

यूनिक समय, मथुरा। फरह स्थित मैन मार्केट में एक टेलर की दुकान में बीती रात लगी भीषण आग से लाखों रुपये का नुकसान हो गया। आग लगने का कारण विद्युत शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। दुकान में लगी आग से टेलर के परिवार के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है। वहीं एक अन्य घटना में पोरी गांव में एक ग्रामीण के घर में लगी आग से हजारों रुपये का नुकसान हो गया।

गांव आंवलासुल्तानपुर यौरा निवासी लोटन सिंह की फरह के मैन बाजार में ब्लॉक के समीप सिलाई की दुकान है। लोटन सिंह रात्रि के समय दुकान बंद करने के बाद अपने घर चला गया था। रात्रि में अचानक बिजली के शार्ट सर्किट होने से दुकान में रखे कपड़ों में आग लग गई। रात होने के कारण दुकान में लगी आग का पता नहीं लग सका। प्रातः जब वहां से गुजरते लोगों ने दुकान से धुआं और आग की लपटों को देखा तो स्थानीय लोगों ने लोटन सिंह को दुकान में लगी आग के बारे में सूचना दी। दुकान में लगी आग की बात सुनकर लोटन सिंह के होश उड़ गए। आनन–फानन में वह दुकान पर पहुंचा। उसने देखा तो दुकान में रखे सिले हुए कपड़ों के अलावा बिना सिले कपड़े और सामान आग से पूरी तरह जल गया। लोटन सिंह ने बताया कि आग से दुकान में रखी छह बड़ी झुग्गा मशीन, चार छोटी सिलाई मशीन, 500 जोड़ी कपड़े आग से पूरी तरह से जलकर राख हो गए। दुकान में लगी आग को किसी तरह स्थानीय लोगों ने बुझाया, लेकिन उस समय तक लोटन सिंह का करीब 10 लाख रुपये तक का नुकसान हो चुका था। दुकान में लगी आग से लोटन सिंह के परिवार के सामने रोजी रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई। लोटन सिंह ने प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है जिससे वह काम फिर से शुरू कर सके। वहीं दूसरी ओर गांव पोरी निवासी कमल सिंह के घर में अचानक आग लग गई। आग ने धीरे धीरे घर में रखे सामान को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। घर में लगी आग को देख परिवार के लोग वहां से शोर मचाते हुए बाहर भागे। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण भी अपने घरों से बाहर निकल आए। घर में लगी आग को तेजी से बढ़ता देख ग्रामीण परेशान हो गए। ग्रामीणों ने हिम्मत कर आग को बुझाना शुरू कर दिया। आग बुझाने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पानी और मिट्टी डालकर आग को बुझाने का प्रयास किया। किसी तरह घर में लगी आग को बुझाया गया। कमलेश कुमार ने बताया कि आग से उसका हजारों रुपये का सामान जल गया है। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर आग को काबू किया।

टेलर की दुकान में शार्ट सर्किट से लगी आग से जला सामान और मशीनें।

पौरी में किसान के घर में लगी आग से घरेलू सामान जला

युवती ने सड़क पर किया हाइवोल्टेज ड्रामा

एक व्यक्ति पर लगाया दुष्कर्म का आरोप

पुलिस ने मामले की जांच शुरू की

यूनिक समय, चौमुहां, मथुरा। वृंदावन के परिक्रमा मार्ग स्थित रमणरेती चौकी के समीप उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक युवती ने बीच सड़क पर हंगामा किया। युवती का आरोप है कि उसके साथ रहने वाले एक व्यक्ति ने उसे जूस में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया और दुष्कर्म किया। युवती का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए सीओ सदर पीतम पाल सिंह ने बताया कि थाना जैंत में दुष्कर्म के संबंध में सूचना प्राप्त हुई है, जिस पर अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। नामजद अभियुक्त को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस जांच में एक नया मोड़ सामने आया है। पूछताछ में यह तथ्य प्रकाश में आया है कि अभियुक्त ने पीड़िता की मां को अपना मकान दानपात्र के माध्यम से दिया था। उस मकान पर करीब 15 लाख रुपये का लोन था, जिसमें से 10 लाख रुपये अभी बकाया हैं। पुलिस ने बताया कि इस लेनदेन और कर्ज को लेकर अभियुक्त और पीड़िता की मां के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा था। सीओ सदर का कहना है कि इस विवादित पहलू की भी गहनता से जांच कर रही है।

कहीं आरोपों के पीछे प्रॉपर्टी का विवाद तो नहीं है। फिलहाल पीड़िता के आरोपों के आधार पर उसका मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों और जांच के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान की नारकोटिक्स टीम की बड़ी कार्रवाई

चालक सहित छह आरोपी दबोचे

साढ़े तीन क्विंटल डोडा पोस्त बरामद,

झारखंड से पंजाब ले जाया जा रहा था डोडा

केमिकल के बोरों के पीछे छिपा कर रखा था

हिरासत में लिए लोगों से 65 हजार रुपये बरामद

बरामद किये गये डोडा के साथ हिरासत में छह लोग।

यूनिक समय मथुरा। राजस्थान की नारकोटिक्स टीम ने झारखंड से पंजाब के लिए ट्रक में लदे केमिक्ल के बोरों के पीछे छिपाकर डोडा ले जाते छह लोगों को राया कट पर पीछा कर पकड़ लिया। ट्रक से साढ़े तीन क्विटल डोडा और 65 हजार की नकदी बरामद की गई है।

मंगलवार की सुबह भरतपुर और जयपुर राजस्थान की नारकोटिक्स टीम संयुक्त रूप से एक ट्रक का पीछा करते हुए भरतपुर से राया कट के समीप पहुंची। टीम ने अपने वाहनों से ट्रक को ओवर टेक करके रोक लिया। नारकोटिक्स टीम ने ट्रक संख्या पीबी 11 सीआर 6535 की तलाशी ली। जांच में ट्रक के अंदर केमिकल के बोरों के पीछे छिपाकर रखा गया करीब साढ़े तीन क्विंटल डोडा पोस्त बरामद किया गया। इस डोडा पोस्त को पंजाब ले जाकर इसका इस्तेमाल अवैध रूप से नशे के लिए किया जाता है। कार्रवाई के दौरान टीम ने ट्रक चालक सहित छह लोगों को हिरासत में लिया है। आरोपियों के पास से 65 हजार रुपये नकद बरामद किये गये हैं। कार्रवाई करने वाली टीम में निरीक्षक अमरसिंह और पूरनमल मीणा शामिल रहे। टीम ट्रक और हिरासत में लिए चालक सहित आधा दर्जन अभियुक्तों को थाना राया ले गई। अभियुक्तों से इस बात की जानकारी की जा रही है कि नशे के इस कारोबार में और कौन–कौन लोग शामिल हैं।

बताया गया है कि राजस्थान से डोडा नशे का कारोबार करने वाले गैंग पंजाब ले जाते हैं। नारकोटिक्स टीम ने सटीक सूचना पर कार्रवाई की।

पीतल के घंटे चोरी करने वाला गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने चोरी के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से पीतल के घंटे बरामद किए हैं। मांट पुलिस ने लक्ष्मीनगर खंड जावरा वाली नहर की पुलिया के समीप से अभियुक्त अशोक कुमार निवासी गांव बना थाना राया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के दो पीतल के घंटे बरामद किए हैं।

यूपी कांग्रेस विधि विभाग का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन 11 को

यूनिक समय लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग का प्रदेश स्तरीय सम्मेलन गांधी भवन सभागार कैसरबाग लखनऊ में 11 अप्रैल को 10:30 बजे से आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं कांग्रेस विधि, मानवाधिकार के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद राज्य सभा अभिषेक सिंहवी, राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पांडे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय तथा उत्तर प्रदेश से लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदगण शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधि विभाग के प्रदेश चेयरमैन मोहम्मद अनस खान एडवोकेट और प्रदेश उपाध्यक्ष (संगठन प्रभारी) ने सभी पदाधिकारियों से सम्मेलन में भाग लेने का अनुरोध किया है।

शराब के ठेके पर हमला करने वाले नौ गिरफ्तार

गिरफ्तार अभियुक्तों में चार महिलाएं भी शामिल

यूनिक, समय मथुरा। बल्देव पुलिस ने शराब ठेके पर एक राय होकर लाठीडंडों से लैस होकर मारपीट और ईंट पत्थर फैंक कर तोड़ फोड़ करने के मामले में वांछित चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। छह अप्रैल को ठेके पर मारपीट और तोड़ फोड़ करने के मामले में थाना बल्देव में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने ठेके पर मारपीट और पथराव करने के मामले में श्यामवीर, सत्तो उर्फ सत्येंद्र, रिषिपाल, फत्ते सिंह, विकास व पांच अभियुक्त अन्य व 30–40 अज्ञात महिला पुरूषों के खिलाफ ठेके पर सेल्समैन को जानसे मारने की नीयत से लाठी-डंडों व ईंट-पथरों से हमला कर तोड़ फोड़ करने की रिपोर्ट दर्ज की थी। पुलिस ने इस मामले में श्यामवीर सिंह, फत्ते सिंह, विकास कुमार, सत्तो उर्फ सत्येंद्र व रिषिपाल के अलावा चार महिलाओं को भरतिया जाने वाले रास्ते पर पानी की टंकी के समीप से गिरफ्तार किया

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

एक माह में धंसी नई सड़क गड्ढा ने खोली निर्माण की पोल

यूनिक समय, मथुरा। शहर में हाल ही में सिविल लाइंस से टाउनशिप चौराहा तक बनाई गई नई सड़क एक माह के भीतर ही अपनी गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर रही है। सड़क निर्माण के कुछ ही दिनों बाद इसमें बड़ा गड्ढा बन गया है, जो अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। यह गड्ढा जेल से थोड़ी आगे हो गया है और करीब एक फुट तक पहुंच चुकी है। राहगीरों के अनुसार, पिछले दो–तीन दिनों से यह गड्ढा लगातार बढ़ता जा रहा है। खास बात यह है कि रात के समय यह गड्ढा दिखाई नहीं देता, जिससे दोपहिया वाहन चालक अक्सर इसका शिकार हो जाते हैं। कई लोग यहां गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद संबंधित विभाग अब तक कोई ठोस

जिला जेल से आगे हाल ही में बनी सड़क में गड्ढा बना खतरा।

कार्रवाई करता नजर नहीं आ रहा है। गड्ढा को अस्थायी रूप से ईंटों से भरने का प्रयास जरूर किया गया है, लेकिन यह समाधान नाकाफी साबित हो रहा है। ईंट हटने के बाद गड्ढा

सिविल लाइंस से टाउनशिप चौराहा मार्ग पर हादसों को न्यौता दे रहा गड्ढा

घटिया निर्माण या भ्रष्टाचार, उठे सवाल

और अधिक खतरनाक हो जाता है। राहगीरों का कहना है कि यह स्थिति किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है। यदि समय रहते इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो गंभीर दुर्घटना हो सकती है। नई बनी सड़क की इतनी जल्दी खराब हालत ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य सही तरीके से हुआ होता तो सड़क इतनी जल्दी खराब नहीं होती। इससे यह साफ जाहिर होता है कि या तो निर्माण में लापरवाही बरती गई है या फिर घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है। राहगीरों ने कहा कि संबंधित विभाग से तत्काल इस गड्ढा को ठीक कराने और पूरी सड़क की गुणवत्ता की जांच करानी चाहिए। जिम्मेदार अधिकारियों को इस मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराई न जाए। फिलहाल यह गड्ढा हर दिन राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ है और प्रशासन की चुप्पी लोगों की चिंता बढ़ा रही है। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग कब तक इस समस्या का समाधान करता है या फिर किसी बड़े हादसे के बाद यह ठीक कराया जाएगा।

हेल्थ डे स्पेशल

पैक्ड फूड सेहत के लिए कितना सुरक्षित?

यूनिक समय मथुरा। रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाला पैक्ड फूड सुविधा प्रदान करता है, लेकिन सही जानकारी न होने पर यह धीरे–धीरे स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकता है। वर्ल्ड हेल्थ डे के मौके पर विशेषज्ञों ने चेताया कि पैक्ड फूड खरीदते समय केवल ब्रांड या कीमत पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं है। सबसे जरूरी है लेबल पढ़ना, ताकि उत्पाद में मौजूद पोषक तत्वों और खतरनाक तत्वों की जानकारी मिल सके।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण की गाइडलाइन के अनुसार 100 ग्राम पैक्ड फूड में सोडियम 2 ग्राम से ज्यादा नहीं, ट्रांस फैट 0-1% और संतृप्त वसा कम होनी चाहिए।

वहीं कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अचल शर्मा कहते हैं कि हर सर्विंग में नमक और शुगर की जांच जरूरी है। वयस्कों के लिए, दिनभर का सुरक्षित सेवनः नमक पांच ग्राम, चीनी 25-30 ग्राम। विशेषज्ञों ने चेताया कि पैक्ड फूड में छिपे साइलेंट किलर्स स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकते हैं। ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. उमा शर्मा और गेस्ट्रोलॉजिस्ट डॉ. नितिन गोयल ने बताया कि पैक्ड फूड में नाइट्रेट, नाइट्रोसामाइन, प्रिजर्वेटिव्स, कृत्रिम रंग और प्लास्टिक पैकेजिंग के बिस्फेनॉल जैसे केमिकल्स कैंसर और टाइप–2 डायबिटीज का खतरा बढ़ा सकते हैं। पांच से ज्यादा इंग्रीडिएंट्स हों और समझ में न आएं, न खरीदें। विशेषज्ञों का कहना है कि लेबल पढ़कर और पोषक तत्वों का ध्यान रखकर ही पैक्ड फूड सुरक्षित रूप से खाया जा सकता है। सावधानी और सही जानकारी से ही हेल्दी जीवन सुनिश्चित किया जा सकता है।

हनुमत विहार व गोविंद विहार योजनाओं के भूखंडों की रजिस्ट्री शुरू

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृन्दावन विकास प्राधिकरण द्वारा हनुमत विहार आवासीय योजना–2024 एवं गोविंद विहार आवासीय योजना–2025 के अंतर्गत आवंटित भूखंडों की रजिस्ट्री प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। इन योजनाओं में भूखंडों का आवंटन पूर्व में लॉटरी प्रणाली के माध्यम से किया गया था। यह जानकारी प्राधिकरण के सहायक सम्पत्ति अधिकारी सुमित कुमार मौर्या ने दी है।

उन्होंने बताया कि सभी आवंटियों को सूचित किया जाता है कि वे अपने–अपने आवंटित भूखंडों की निर्धारित धनराशि जमा कराएं तथा आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करें। इसके उपरांत नियमानुसार स्टाम्प पेपर पर रजिस्ट्री

आवंटी अपने आवंटित भूखंडों की निर्धारित धनराशि जमा कराएं

कराकर भूखंड का कब्जा प्राप्त किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि रजिस्ट्री प्रक्रिया के दौरान आवंटन पत्र में उल्लिखित सभी नियम एवं शर्तें यथावत लागू रहेंगी। आवंटियों से अपील की गई है कि वे समय रहते सभी प्रक्रियाएं पूर्ण कर लें, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्राधिकरण कार्यालय द्वारा इस संबंध में आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है।

पुलिस से नोकझोंक के बाद एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

किसानों की समस्याओं को लेकर ज्ञापन देने जा रहे कांग्रेसियों को होली गेट पर पुलिस रोकती हुई।

यूनिक समय,मथुरा। बेमौसम बारिश एवं ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को हुए नुकसान को लेकर मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर और कार्यकर्ता प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे थे, लेकिन होली गेट चौराहे पर पुलिस ने उन्हें रोक लिया, जिससे पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हुई। बाद में एसडीएम सुशील कुमार को ज्ञापन सौंपा गया। जिलाध्यक्ष ने बताया कि हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसलें पूरी तरह नष्ट हो गई हैं, जिससे वे गंभीर आर्थिक संकट में आ गए हैं। पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम बाल्मीकि ने कहा कि यमुना नदी में बढ़ता प्रदूषण आस्था पर आघात है, जिसे तत्काल रोका जाना चाहिए। इस दौरान मनोज गौड़,आशिफ कुरैशी, ललिता देवी, आरती चौधरी, गीता दिवाकर, रूपा लवानिया, भगवान देवी, अप्रतिम सक्सेना, अबरार कुरैशी, पुनीत बघेल, बलवीर सिंह, आशीष अग्रवाल, अशोक निषाद, अनिल खरे,राशिद कुरैशी, नितिन वार्ष्णेय, महेश चौबे, सुरेश शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

समाजसेवी अभिषेक चौधरी की अनूठी पहल

सुल्तानपट्टी में लगवाईं 175 बेंच

यूनिक समय, बाजना (मथुरा)। क्षेत्र के समाजसेवी अभिषेक चौधरी ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए सुल्तानपट्टी क्षेत्र में स्थानीय जनता की सुविधा के लिए 175 आरामदायक बेंच लगवाई हैं। इस पहल का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर आने–जाने वाले बुजुर्गों, महिलाओं और राहगीरों को विश्राम के लिए उचित स्थान उपलब्ध कराना है। अभिषेक चौधरी द्वारा डलवाई गई ये बेंच सुल्तानपट्टी के प्रमुख चौराहों सार्वजनिक मार्गों छायादार वृक्षों के नीचे और पंचायत भवनों के पास स्थापित की गई हैं। लंबे समय से क्षेत्र की जनता को सार्वजनिक स्थानों पर बैठने की व्यवस्था न होने के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था जिसे देखते हुए समाजसेवी ने अपने निजी प्रयासों से यह कार्य कराया।

मानसिक स्वास्थ्य पर दिया जागरूकता का संदेश

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से जागरूक करतीं आरसीए विद्यालय की छात्राएं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर आरसीए महाविद्यालय में पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित

यूनिक समय, मथुरा। आरसीए बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर मनोविज्ञान विभाग द्वारा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन मनोवैज्ञानिक सिद्धांत एवं मानसिक स्वास्थ्य पर किया गया। प्रतियोगिता में चंचल कुमारी, पायल माहौर, मोहनमाला, मधु, धानेश्वरी तोमर, मैजबी, खुश्बी, रुचिका महावर, भूमि राजपूत, टीना सैनी, प्रियांशी मित्तल, दीक्षा, वैशाली गौर, मेघा अग्रवाल और उमा तोमर सहित कई छात्राओं ने अपने पोस्टर्स के माध्यम से यह संदेश दिया कि स्वस्थ जीवन के लिए केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही जरूरी है। प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. अर्चना पाल और डॉ. संध्या श्रीवास्तव द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, धानेश्वरी तोमर, द्वितीय स्थान पर दीक्षा रहीं व खुश्बी ने तृतीय स्थान लिया। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. अंजुबाला अग्रवाल ने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि समाज में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया है ये बहुत ही जरूरी है। कार्यक्रम में सोनम यादव, पूजा पालीवाल आदि मौजूद रहीं।

सर्दी–जुकाम, एलर्जी, हड्डी रोग के मरीज बढ़े

डॉ. रवि माहेश्वरी मरीजों को देखते हुए।

जिला अस्पताल में मरीजों की लगी लंबी लाइनें।

यूनिक समय, मथुरा। जिला अस्पताल में मंगलवार को मरीजों की काफी भीड़ रही। सुबह से ही लोग पर्चा बनवाने और डॉक्टर को दिखाने के लिए लंबी-लंबी लाइनों में खड़े नजर आए। भीड़ इतनी ज्यादा थी कि कई मरीजों को अपनी बारी के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

आज अस्पताल में सर्दी–जुकाम,

1700 से ज्यादा मरीज पहुंचे अस्पताल

स्किन एलर्जी और हड्डी से जुड़े मरीज ज्यादा संख्या में पहुंचे। बदलते मौसम के कारण इन बीमारियों के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके अलावा कुत्ता काटने के मामलों में भी बढ़ोतरी देखी गई, जिससे एंटी रैबीज के इंजेक्शन लगवाने वालों की भी भीड़ रही। अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार को करीब 1380 नए मरीज इलाज के लिए आए। वहीं 350 पुराने मरीज भी दोबारा जांच कराने पहुंचे। भीड़ के कारण पर्चा काउंटर, दवा लेने की जगह और डॉक्टरों के कमरों के बाहर लंबी लाइनें लगी रहीं। मरीजों ने बताया कि उन्हें काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। सीएमएस नीरज अग्रवाल व डॉ. सिद्धार्थ धनगर ने अपनी टीम के साथ वार्डों में जाकर मरीजों को देखते हुए उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि सप्ताह में सोमवार, मंगलवार को कुछ अधिक मरीज आते हैं, सबसे ज्यादा मौसम के बदलाव के आर रहे हैं।

जीएलए पॉलिटेक्निक के पांच छात्रों का यूनो मिंडा में चयन

समृद्धि निगम | अमन सिंह | वैभव दीक्षित | तेजपाल | पंकज सिंह

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा के पॉलिटेक्निक संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि विभाग के पांच मेधावी छात्रों का चयन देश की प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी यूनो मिंडा में हुआ है। इस उपलब्धि से न केवल संस्थान बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी और उत्साह का माहौल है।

चयनित छात्रों में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के तीन छात्र पंकज सिंह तोमर, तेजपाल और वैभव दीक्षित एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के दो छात्र अमन सिंह तथा समृद्धि निगम शामिल हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, लगन और तकनीकी दक्षता के बल पर यह सफलता प्राप्त की। कंपनी द्वारा आयोजित चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, तकनीकी साक्षात्कार और एचआर राउंड शामिल थे, जिनमें इन छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चयन सुनिश्चित किया।

इस सफलता के पीछे संस्थान में उपलब्ध आधुनिक संसाधनों और उन्नत प्रयोगशालाओं (लैब्स) की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जीएलए यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक में छात्रों के लिए अत्याधुनिक मशीनरी, वर्कशॉप, थर्मल इंजीनियरिंग लैब, मैन्युफैक्चरिंग लैब और ऑटोमोबाइल से संबंधित विशेष लैब्स की सुविधा उपलब्ध है। इन लैब्स में छात्रों को प्रैक्टिकल ज्ञान के साथ-साथ वास्तविक इंडस्ट्री परिदृश्य का अनुभव कराया जाता है, जिससे उनकी तकनीकी समझ और समस्या-समाधान क्षमता विकसित होती है।

संस्थान में पढ़ाई केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को इंडस्ट्री-ओरिएंटेड ट्रेनिंग, लाइव प्रोजेक्ट्स, सेमिनार और वर्कशॉप्स के माध्यम से व्यावहारिक रूप से दक्ष बनाया जाता है। यही कारण है कि यहां के छात्र बड़ी कंपनियों की चयन प्रक्रिया में आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं।

संस्थान के प्राचार्य डॉ. विकास शर्मा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, हमारे छात्रों का प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन होना इस बात का प्रमाण है कि संस्थान में दी जा रही शिक्षा और प्रशिक्षण उच्च स्तर का है। हमारी अत्याधुनिक लैब्स, अनुभवी फैकल्टी और इंडस्ट्री-केंद्रित पाठ्यक्रम छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल के लिए तैयार करते हैं। आने वाले समय में हम और बेहतर संसाधनों के साथ छात्रों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का प्रयास करते रहेंगे।

चयनित छात्र पंकज सिंह तोमर ने अपनी सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जीएलए यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक में हमें जो प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और लैब्स में काम करने का अवसर मिला, उसने हमें इंडस्ट्री के लिए पूरी तरह तैयार किया। शिक्षकों का मार्गदर्शन और निरंतर प्रैक्टिस ही इस सफलता की कुंजी रही। मैं अपने माता-पिता और संस्थान का आभारी हूं। ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग के जनरल मैनेजर कॉरपोरेट रिलेशन राहुल सिंह ने कहा कि यह उपलब्धि दर्शाती है कि जीएलए यूनिवर्सिटी पॉलिटेक्निक न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है, बल्कि अपने छात्रों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर उन्हें बेहतर करियर अवसर भी उपलब्ध करा रहा है। संस्थान की यह सफलता आने वाले विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है और यह सिद्ध करती है कि यहां के छात्र तकनीकी क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं।

आईसीएआई सीए परीक्षा में बड़ा बदलाव

सीए फाइनल परीक्षा अब साल में दो बार

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) ने सीए छात्रों के लिए बड़ा बदलाव किया है। संस्थान ने घोषणा की है कि सीए फाइनल परीक्षा अब साल में तीन बार के बजाय केवल दो बार आयोजित की जाएगी। यह नया नियम मई 2026 सत्र से लागू होगा।

अब तक सीए फाइनल परीक्षा जनवरी, मई और सितंबर में आयोजित होती थी, लेकिन नए ढांचे के तहत छात्र अब इसे केवल मई और नवंबर में ही

दे सकेंगे। इस संबंध में आईसीएआई ने आधिकारिक सूचना जारी कर जानकारी दी है। अभ्यर्थी इस सूचना को संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं।

परीक्षा से जुड़े इस बदलाव के साथ आईसीएआई ने इंटरमीडिएट परीक्षा के कार्यक्रम में भी संशोधन किया है। पहले जहां इंटरमीडिएट परीक्षा 3 मई 2026 से शुरू होने वाली थी, अब यह 5 मई 2026 से शुरू होगी। परीक्षा एक ही पाली में दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जाएगी।

संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, इंटरमीडिएट समूह-1 की परीक्षाएं 5, 7 और 9 मई को होंगी, जबकि समूह-2 की परीक्षाएं 11, 13 और 15 मई को आयोजित की जाएंगी। हालांकि, आईसीएआई ने स्पष्ट किया है कि फाउंडेशन और फाइनल परीक्षा के कार्यक्रम में अन्य कोई बदलाव नहीं किया गया है।

इस फैसले का उद्देश्य परीक्षा प्रणाली को अधिक व्यवस्थित और प्रभावी बनाना माना जा रहा है। छात्रों को सलाह दी गई है कि वे किसी भी नए अपडेट के लिए नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट पर नजर बनाए रखें, ताकि वे समय पर जानकारी प्राप्त कर सकें।

'स्कूल चलो अभियान' में निकाली ब्लॉक स्तरीय रैली

गोवर्धन के गांव आन्यौर में स्कूल चलो अभियान में रैली निकालते बच्चे एवं स्टाफ।

खंड शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन में निकाली गई रैली

यूनिक समय, मथुरा। शैक्षिक सत्र की नई शुरुआत को सफल बनाने और नामांकन बढ़ाने के लिए स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत गोवर्धन ब्लॉक में एक विशाल रैली का आयोजन किया गया। शासन-प्रशासन के निर्देशों के अनुपालन में निकाली गई इस रैली में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक मौजूद रहे। यह रैली खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र के मार्गदर्शन में निकाली गई। एआरपी देव कुमार और स्थानीय प्रधानाध्यापकों ने घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क किया और कहा कि जिनके बच्चे अभी तक स्कूल नहीं जा रहे हैं ऐसे बच्चों को स्कूल जरूर भेजें। वहीं एआरपी कपिल देव चौधरी ने डीबीटी के माध्यम से मिलने वाली सरकारी सुविधाओं की जानकारी दी। इस मौके पर हरवीर सिंह, मुरारीलाल उपाध्याय, देव कुमार, हरवीर सिंह, अशोक कुमार बौद्ध, सीमा रानी, अंतिमा गर्ग, स्वीटी कुमारी, अंजली शर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, ब्लॉक कार्यालय कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मथुरा के साहित्यकार इंजी. संतोष कुमार सिंह 'बस्ती' में हुए सम्मानित

श्रीमती नैली राजेश सिंह स्मृति पुरस्कार से नवाजा गया

यूनिक समय, मथुरा। जनपद के वरिष्ठ साहित्यकार इंजी. संतोष कुमार सिंह को प्रदेश के बस्ती में आयोजित एक भव्य साहित्यिक समारोह में सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय नव किरण हिंदी साहित्य सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित प्रथम साहित्य साधना अलंकरण समारोह में उन्हें श्रीमती नैली राजेश सिंह स्मृति पुरस्कार से नवाजा गया। यह सम्मान उन्हें उनकी बाल साहित्य कृति "साथ हमारे दादाजी" के लिए प्रदान किया गया। समारोह में उन्हें शॉल, स्मृति चिह्न, सम्मान पत्र तथा 5100 रुपये की नकद राशि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजमाता आशिमा सिंह, राकेश चंद्रा, नीलम राकेश, देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

ताश खेल रहे बुजुर्गों को दरोगा ने किया बेइज्जत

यूनिक समय, फरह। घर के दरवाजे के सामने ताश पत्ते खेलना बुजुर्गों को भारी पड़ गया। दीनदयाल धाम चौकी प्रभारी ने ताश पत्ते खेलने पर बुजुर्गों से अभद्रता की, पूर्व प्रधान को गिरेबान पड़कर उठा लिया, बाद में 1500 रुपये लेकर दरोगा चला गया। मामले की शिकायत प्रभारी निरीक्षक तक पहुंची है। बीते दिन सोमवार दोपहर करीब तीन बजे गांव दौलतपुर निवासी छत्तर के घर के सामने पेड़ के नीचे कुछ बुजुर्ग ताश पत्ते खेल रहे थे। इसी दौरान वहां होकर निकले दीनदयाल धाम चौकी प्रभारी आनंद शर्मा ने बुजुर्गों को ताश पत्ते खेलते देख बाइक रोक ली। मौके पर जाकर बुजुर्गों से गाली गलौज की, बुजुर्गों ने समय व्यतीत करने के लिए ताश पत्ते खेलने की बात कही तो चौकी प्रभारी ने पूर्व प्रधान श्याम को गिरेबान पकड़ कर उठा लिया और जुआ खेलने के आरोप में बंद करने की धमकी दी। बुजुर्गों ने माफी मांगी तो दरोगा ने लांगुरिया से 15 सौ रुपये ले लिए और चला गया। लांगुरिया ने बताया वह और गांव के अन्य बुजुर्ग समय व्यतीत करने के लिए दोपहर में ताश पत्ते खेल लेते हैं, लेकिन दीनदयाल धाम चौकी प्रभारी को यह सही नहीं लगा और बुजुर्गों को बेइज्जत किया। पीड़ितों ने बताया कि वह इस मामले को लेकर एसएसपी से मिलकर शिकायत करेंगे।

हनुमान चालीसा केंद्रों से हिंदू समाज होगा जागरूक

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रेमपाल सोलंकी, प्रांतीय संगठन मंत्री हरेंद्र सिंह का स्वागत करते कार्यकर्ता।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के प्रांतीय उपाध्यक्ष प्रेमपाल सोलंकी, प्रांतीय संगठन मंत्री हरेंद्र सिंह का ठाकुर मुरारी लाल के आवास पर स्वागत किया। उपाध्यक्ष सोलंकी ने कहा कि मथुरा के सभी ब्लॉकों में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद समिति गठित कर हनुमान चालीसा केंद्र की स्थापना ब्लॉक के प्रत्येक गांव में की जाएगी। राष्ट्रीय बजरंग दल हनुमान चालीसा केंद्र चलाएगा जिसमें मुख्य मुद्दा हिंदू समाज की घटती संख्या, लवजिहाद, गोहत्या, धर्मांतरण जैसे मुद्दों को गाँव के सभी हनुमान चालीसा केंद्रों पर कर हिंदू समाज का जनकल्याण करेगा। पूरे देश में डॉ. प्रवीण तोगड़िया का विषय चल रहा है। प्रांतीय संगठन मंत्री हरेंद्र सिंह ने कहा कि लव जिहाद में ज्यादातर हिंदू लड़की फंस रही है। उसके लिए। जागरूक करने का बीड़ा उठाने पर जोर दिया। इस मौके पर ठाकुर मुरारी, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष विजय सिंह राजपूत, राजकुमार तोमर, ठाकुर नरेंद्र सिंह, राजेंद्र अग्रवाल, राजकुमार शर्मा, योगेश सिसोदिया, अश्वनी कुमार शर्मा, ताराचंद शर्मा, दीपेंद्र शर्मा, लट्टूरी सिंह तथा योगेश आदि उपस्थित थे।

याकुल्ट प्लांट का शैक्षिक भ्रमण कर लौटे राजीव एकेडमी के विद्यार्थी

एमबीए विद्यार्थियों ने जुटाई फूड इंडस्ट्री के विभिन्न पहलुओं की जानकारी

सोनीपत स्थित याकुल्ट प्लांट का शैक्षिक भ्रमण करते राजीव एकेडमी के विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट के एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने हरियाणा के सोनीपत स्थित याकुल्ट प्लांट का शैक्षिक भ्रमण कर वहां की आधुनिक उत्पादन तकनीक, गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया तथा प्रोबायोटिक पेय निर्माण की सम्पूर्ण जानकारी हासिल की। एमबीए छात्र-छात्राओं के लिए यह इंडस्ट्रियल विजिट एक यादगार, ज्ञानवर्धक और करियर-उन्मुख अनुभव रहा। राजीव एकेडमी फॉर टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेण्ट द्वारा छात्र-छात्राओं को किताबी ज्ञान देने के साथ ही शैक्षिक भ्रमण के माध्यम से उन्हें समय समय पर व्यावहारिक जानकारी हासिल करने के अवसर भी मुहैया कराए जाते हैं। इसी कड़ी में विगत दिवस एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं को वास्तविक औद्योगिक प्रक्रिया तथा व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए हरियाणा के सोनीपत स्थित याकुल्ट प्लांट ले जाया गया। शैक्षिक भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं को आधुनिक उत्पादन तकनीकों, गुणवत्ता नियंत्रण प्रक्रिया तथा प्रोबायोटिक पेय निर्माण की सम्पूर्ण प्रक्रिया को करीब से समझने का अवसर मिला।

इस अवसर पर उद्योग विशेषज्ञों ने छात्र-छात्राओं को फूड इंडस्ट्री के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी तथा करियर से संबंधित महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। संस्थान के निदेशक डॉ. अमर कुमार सक्सेना ने याकुल्ट प्लांट पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं।

राजीव एकेडमी के ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट प्रमुख डॉ. विकास जैन ने याकुल्ट प्लांट के पदाधिकारियों का समय, विशेषज्ञता और आतिथ्य के लिए आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर सीखते रहने तथा नई तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। डॉ. जैन ने कहा कि इंडस्ट्रियल विजिट से छात्र-छात्राओं को उद्योग के बारे में विस्तार से जानकारी मिलती है, जिससे उन्हें प्रारम्भिक चरण में ही अपना करियर तय करने में मदद मिलती है। आरके एज्युकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल व मैनेजिंग डायरेक्टर मनोज अग्रवाल ने कहा कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों के व्यावहारिक ज्ञान में इजाफा करते हैं, जिससे वे उद्योग की वास्तविक आवश्यकताओं को समझ पाते हैं।

जोधपुर में घूमने के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल

यूनिक समय, मथुरा। मेहरानगढ़ किला निस्संदेह जोधपुर में घूमने के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल है। यह 410 फीट ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। यह भारत के सबसे बड़े किलों में से एक है और इसके भीतर कई महल हैं।

यूं तो देश के अलग–अलग कोने में कुछ अलग व नया देखने को मिलता है। लेकिन राजस्थान राज्य अपनी संस्कृति के साथ–साथ ऐतिहासिक महत्व के कारण भी लोग दूर–दूर से इस राज्य में घूमने के लिए आते हैं। राजस्थान राज्य का जोधपुर शहर एक बेहतरीन पर्यटन स्थल में से एक है। यह उन लोगों के लिए एक बेहरीन प्लेस है, जो राज्य के कल्चर को करीब से देखना चाहते हैं। जोधपुर शहर में कई बेहतरीन प्लेसेस हैं, जिन्हें एक ट्रेवलर को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको जोधपुर शहर में देखने लायक कई बेहतरीन जगहों के बारे में बता रहे हैं–

मेहरानगढ़ किला

मेहरानगढ़ किला निस्संदेह जोधपुर में घूमने के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल है। यह 410 फीट ऊंची पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। यह भारत के सबसे बड़े किलों में से एक है और इसके भीतर कई महल हैं। 1460 में राव जोधा द्वारा निर्मित, किला अपनी जटिल नक्काशी के लिए जाना जाता है। इस किले को अब एक संग्रहालय में बदल दिया गया है जो जोधपुर की समृद्ध संस्कृति और विरासत को दर्शाता है।

घंटाघर और सदर बाजार

घंटाघर जोधपुर का एक ऐतिहासिक स्थल है। यह वह स्थान है जहां से पुराना जोधपुर शुरू होता है। सरदार मार्केट के बगल में पुराने शहर में स्थित, यह एक लंबा विशाल टावर है जिसे महाराजा सरदार सिंह ने 1880 और 1911 के बीच अपने शासन के दौरान बनाया था। रात में क्लॉक टॉवर सुंदर रोशनी से जगमगाता है और अद्भुत लगता है। सदर मार्केट जोधपुर के सबसे प्रमुख शॉपिंग डेस्टिनेशन में से एक है।

सरदार गवर्नमेंट म्यूजियम

यह जोधपुर में इतिहास प्रेमियों के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। यह म्यूजियम आपको राजस्थान के बीते युग के बारे में एक महान जानकारी देगा। सरदार गवर्नमेंट म्यूजियम का निर्माण एडवर्डियन वास्तुकार हेनरी वॉन लैंचेस्टर ने महाराजा उम्मेद सिंह के शासन के दौरान किया था। इसका नाम महाराजा सरदार सिंह के नाम पर रखा गया था। यह एक पुराना म्यूजियम है जो राजाओं और अन्य ऐतिहासिक चीजों के चित्रों को प्रदर्शित करता है। इसके अलावा, यहां पर पत्थर की मूर्तियों, लघु चित्रों, टेराकोटा, धातु की वस्तुओं, हथियारों, सिक्कों और कला और शिल्प वस्तुओं को प्रदर्शित किया गया है।

उम्मेद भवन पैलेस

यह संभवतः जोधपुर में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। महल का इंटीरियर इंडो–सरसेनिक, क्लासिकल रिवाइवल और वेस्टर्न आर्ट डेको शैलियों के साथ डिजाइन किया गया है। जिसे अब एक हैरिटेज होटल में बदल दिया गया है। बता दें कि उम्मेद भवन 1943 में बनाया गया था। पैलेस में 347 कमरे हैं। यह आजादी से पहले भारत में बना आखिरी महल भी है। इसे ब्रिटिश आर्किटेक्ट हेनरी लैंकेस्टर ने डिजाइन किया है। महल के एक हिस्से में एक संग्रहालय भी है जो शाही युग की कलाकृतियों को प्रदर्शित करता है, जिसे देखना यहां की सबसे अच्छी बात है।

इन आसान तरीकों से करें बुजुर्गों की जिद का समाधान

खुश और हेल्दी रहेंगे घर के बड़े

यूनिक समय, मथुरा। बुढ़ापे में अक्सर कुछ लोगों में चिड़चिड़ापन, गुस्सा, तनाव, रूठना और जिद करना आम होता है. ऐसे में ज्यादातर बच्चे बुजुर्गों में आए इस बदलाव को नजरअंदाज कर देते हैं और धीरे–धीरे उनसे दूरी बनाना भी शुरू कर देते हैं लेकिन आपका ये रिएक्शन भविष्य के लिए काफी नुकसानादायक साबित हो सकता है। हालांकि, अगर आप चाहें तो कुछ छोटी–छोटी बातों को ध्यान में रखकर उन्हें हमेशा खुश रख सकते हैं। बुढ़ापा किसी बचपने से कम नहीं होता है। बढ़ती उम्र के साथ बेशक लोग जिंदगी के कई अनुभव बटोर कर संजिदा हो जाते हैं। लेकिन बुढ़ापा आते–आते यही सीरियसनेस गुस्सा, लाड, फटकार और जिद में तब्दील हो जाती है। ऐसे में बच्चे भी पैरेंट्स की बात मानने के बजाए, उनसे दूरी बनाना शुरू कर देते हैं। हालांकि, बुजुर्गों की बातों को अनदेखा करने की जगह आप उन्हें हैंडल करने के कुछ आसान तरीके भी अपना सकते हैं।

दरअसल, एक्पर्ट्स की मानें तो बच्चे काम की व्यस्तता के चलते बुजुर्गों को ठीक से समय नहीं दे पाते हैं। ऐसे में अकेलेपन के कारण बुजुर्ग अवसाद, तनाव, व्याकुलता जैसी परिस्थितियों का शिकार होने लगते हैं और चिड़चिड़ापन, रूठना, जिद करना उनके व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। ऐसे में कुछ अहम बातों का खास ख्याल रखकर आप उनकी खुशी की वजह बन सकते हैं।

कई बार व्यस्त दिनचर्या के कारण हम घर के बुजुर्गों के साथ बैठने से कतराने लगते हैं। हालांकि, उन्हें आपके समय की सबसे ज्यादा आवश्यकता होती है। इसलिए दिन में थोड़ा समय निकाल कर उनके साथ बैठकर बातें करना ना भूलें। साथ ही उनकी बातों को अनदेखा करने के बजाए ध्यान से सुनें। इससे उन्हें काफी खुशी मिलेगी और वो बिल्कुल अकेला फील नहीं करेंगे।

वृद्धा अवस्था में अक्सर शरीर में ज्यादा एनर्जी नहीं रह जाती है। ऐसे में बुजुर्ग लोग ज्यादातर आराम करना पसंद करते हैं और उनकी शारीरिक गतिविधियां न के बराबर ही होती हैं। इसलिए बुजुर्गों को हर रोज आधे घंटे व्यायाम और योग करने की सलाह दें। इससे उन्हें फिजकली और मेंटली एक्टिव रहने में मदद मिलेगी।

बुजुर्गों को खुश रखने के लिए उन्हें घर के छोटे–छोटे कामों मसलन राशन, सब्जी और दूध लाने जैसी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं। अगर आप अकेला न भेजना चाहें तो किसी समझदार बच्चे को भी उनके साथ भेज सकते हैं।

इससे उन्हें असल में घर का अहम हिस्सा होने का एहसास होगा और वो खुद को अपनों के करीब महसूस करेंगे। बुढ़ापे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ–साथ सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में बुजुर्गों का समय–समय पर हेल्थ चेकअप कराते रहें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार उनका रूटीन निर्धारित करें।

घर के छोटे–बड़े फैसलों में बुजुर्गों की राय लेना न भूलें। खर्चों के हिसाब किताब से लेकर निवेश के तरीकों तक में उनका अनुभव आपके बेहद काम आ सकता है। वहीं घर के बुजुर्गों को आपके फैसलों में अपनी अहमियत का अहसास करके खुशी मिलती है।

घर पर इन तीन तरीकों से बनाएँ नेचुरल फ्लोर क्लीनर

फर्श पर नहीं बचेगा एक भी कीटाणु

यूनिक समय, मथुरा। हर कोई चाहता है कि उसका घर साफ सुथरा रहे। अगर घर साफ होगा तभी आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। घर के फर्श को साफ करने के लिए हम बाजार से क्लीनर खरीदते हैं। लेकिन आज के इस लेख में हम आपको घर पर ही आसानी से नेचुरल होममेड फ्लोर क्लीनर बनाने का तरीका बताने जा रहे हैं –

विनेगर : विनेगर का इस्तेमाल घर के कई कामों के लिए किया जाता है। आप विनेगर से ना केवल कपड़ों के दाग, बल्कि फ्लोर के दाग–धब्बे भी हटा सकते हैं। विनेगर से नैचुरल फ्लोर क्लीनर बनाने के लिए एक बर्तन में दो मग गर्म पानी लें। अब इसमें तीन से चार चम्मच विनेगर और एक नींबू का रस निचोड़कर डालें। इसके बाद सभी चीजों को अच्छी तरह मिक्स कर लें। आपका होममेड क्लीनर तैयार है।

स्प्रिट: स्प्रिट का इस्तेमाल करके भी आप होममेड क्लीनर बना सकते हैं। इसके लिए एक बाल्टी में 5–6 कप हल्का गर्म पानी में एक कप स्प्रिट मिलाएं। अब इससे घर की सफाई करें। आप चाहें तो स्प्रिट की जगह फिटकरी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक से दो इंच फिटकरी के टुकड़े को गुनगुने पानी में डालें। जब फिटकरी पिघल जाए तो इससे घर की सफाई करें।

नींबू का रस और बेकिंग सोडा

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल आप आमतौर पर केक या कुकीज़ बनाने के लिए करते होंगे। लेकिन आप इससे होममेड फ्लोर क्लीनर भी बना सकते हैं। इसके लिए एक बाउल में एक से दो चम्मच बेकिंग सोडा लें। अब इसमें एक नींबू का रस डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें ज़रूरत के हिसाब से पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। अब इस मिश्रण को एक स्प्रे बॉटल में भर कर इसका छिड़काव सभी जगह पर करें। कुछ देर बार साफ कपड़े से पोंछ दें।

टमाटर से स्किन को मिलते हैं यह बेमिसाल फायदे

यूनिक समय, मथुरा। गर्मी के दिनों में गर्मी व धूप के कारण स्किन अनइवन हो जाती है, जिससे वह डल व बेजान नजर आती है। लेकिन अगर आप टमाटर को स्किन पर लगाती हैं, तो इससे स्किन टोन को अधिक बेहतर व इवन बनाने में मदद मिलती है।

अपनी स्किन की केयर करने के लिए महिलाएं नेचुरल इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करना पसंद करती हैं। खासतौर से, अपनी किचन में मौजूद फल–सब्जियों को वह अपने स्किन केयर रूटीन का हिस्सा बनाती हैं। इन्हीं इंग्रीडिएंट में से एक है टमाटर। ऐसा कहा जाता है कि टमाटर को डाइट में शामिल करने व इससे फेस पैक बनाकर स्किन पर लगाने से उससे कई लाभ मिलते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि अगर टमाटर को स्किन पर लगाया जाए तो इससे आपकी स्किन को क्या लाभ मिलते हैं। अगर नहीं, तो चलिए आज इस लेख में हम आपको टमाटर से स्किन को मिलने वाले कुछ फायदों के बारे में बता रहे हैं–

स्किन टोन को करें बेहतर

गर्मी के दिनों में गर्मी व धूप के कारण स्किन अनइवन हो जाती है, जिससे वह डल व बेजान नजर आती है। लेकिन अगर आप टमाटर को स्किन पर लगाती हैं, तो इससे स्किन टोन को अधिक बेहतर व इवन बनाने में मदद मिलती है। दरअसल, टमाटर में विटामिन सी मौजूद होता है, जो आपकी स्किन की रंगत को निखारता है।

चेहरे का चिपचिपापन करे दूर

अगर आपकी स्किन ऑयली या एक्ने प्रोन है, तो ऐसे में आपको टमाटर को अपने स्किन केयर रुटीन में शामिल करना चाहिए। दरअसल, इसमें मौजूद विटामिन सी ना केवल आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाता है, बल्कि इससे चेहरे का चिपचिपापन व ऑयल भी कम होता है।

खासतौर से, गर्मी के दिनों में ऑयली स्किन की महिलाओं को इसे जरूर यूज करना चाहिए। आप चाहें तो टमाटर का फेस पैक बनाकर स्किन पर लगाएं या फिर टमाटर को काटकर उससे अपनी स्किन पर हल्के हाथों से रब करें। करीबन, दस मिनट बाद चेहरे को धो दें और फिर स्किन को मॉइश्चराइज करें।

मुंहासे को कहें बाय—बाय

टमाटर में विटामिन ए, सी, और के जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो आपकी स्किन का ख्याल रखने में मदद करते हैं। टमाटर को अगर टी ट्री ऑयल के साथ मिक्स करके स्किन पर लगाया जाए तो इससे ना केवल एक्ने ठीक होते हैं, बल्कि ब्रेकआउट्स की समस्या भी दूर होती है।

सनस्क्रीन की तरह करें इस्तेमाल

बहुत कम महिलाओं को इस बात की जानकारी होगी, लेकिन टमाटर एक नेचुरल सनस्क्रीन की तरह भी काम करता है। जी हां, टमाटर में लाइकोपीन पाया जाता है, जो यूवी लाइट के हानिकारक प्रभावों से स्किन को बचाता है। आप टमाटर में दही मिक्स करके इसे बतौर फेस पैक अपनी स्किन पर लगाएं। करीबन 15 मिनट बाद चेहरे को धो दें। हालांकि, यह ध्यान दें कि टमाटर का उपयोग सामान्य सनस्क्रीन के स्थान पर नहीं किया जा सकता है। बस यह एक पूरक के रूप में काम करता है।

सुविचार

जीवन में वही सफल होता है, जो सीखना कभी बंद नहीं करता।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	04:34-07:01 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	मूल	05:53- 08:48 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय		6:06 AM	चन्द्रोदय	11:40 PM
सूर्यास्त		6:36 PM	चंद्रास्त	09:50 AM
सूर्य राशि	मीन राशि		चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	04:29-05:17
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	12:21 PM: 01:54 PM		वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

14 अप्रैल से होगा खरमास खत्म

अप्रैल माह में गूंजेगी शहनाई खुलेंगे शादी के शुभ मुहूर्त

यूनिक समय, मथुरा। अप्रैल का महीना धार्मिक दृष्टि से बेहद खास माना जाता है और इस बार यह विवाह जैसे मांगलिक कार्यों के लिए भी अनुकूल साबित होने जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार फिलहाल खरमास के कारण शादी–विवाह जैसे शुभ कार्यों पर विराम लगा हुआ था, लेकिन अब यह स्थिति बदलने वाली है। ज्योतिषाचार्य पंडित नंदकिशोर मुदगल के अनुसार 14 अप्रैल के बाद खरमास समाप्त हो जाएगा, जिसके साथ ही मांगलिक कार्यों के द्वार खुल जाएंगे।

उन्होंने बताया कि हालांकि शुभ कार्यों की शुरुआत 14 अप्रैल के बाद मानी जाएगी, लेकिन विवाह के लिए सबसे उत्तम समय 19 अप्रैल से शुरू होगा। इस दिन अक्षय तृतीया का पर्व है, जिसे अबूझ मुहूर्त माना जाता है। इस दिन बिना पंचांग देखे भी शादी–विवाह, मुंडन और जनेऊजैसे संस्कार किए जा सकते हैं। मान्यता है कि इस दिन किया गया हर कार्य अक्षय फल देता है, यानी उसका शुभ प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

अप्रैल में विवाह के लिए कई शुभ तिथियां भी निर्धारित की गई हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार 19, 20, 21, 25, 26, 27, 28 और 29 अप्रैल को विवाह के लिए विशेष रूप से शुभ माना गया है। इन तिथियों पर ग्रह–नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहेगी, जिससे वैवाहिक जीवन में सुख–समृद्धि और स्थिरता आने की संभावना रहती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार अप्रैल में आने वाला वैशाख मास साल के सबसे पवित्र महीनों में से एक होता है। इस दौरान लोग पूजा–पाठ, दान–पुण्य और धार्मिक अनुष्ठानों में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं। यही कारण है कि इस माह में विवाह जैसे शुभ कार्यों का विशेष महत्व होता है। खरमास की समाप्ति के साथ ही विवाह समारोहों की रौनक भी देखने को मिलेगी। जिन लोगों ने लंबे समय से शादी या अन्य मांगलिक कार्यों को टाल रखा था, उनके लिए अब यह सही समय है। ज्योतिषाचार्यों का मानना है कि सही मुहूर्त में किए गए कार्य न केवल सफल होते हैं, बल्कि जीवन में सुख, शांति और सकारात्मकता भी लेकर आते हैं। ऐसे में अप्रैल का यह समय उन परिवारों के लिए खास अवसर लेकर आया है, जो अपने घर में शादी या अन्य शुभ कार्यों की तैयारी कर रहे हैं।

किचन या चमत्कार! रांची के जगन्नाथ मंदिर का अनोखा रहस्य

यहां बनता है ऐसा प्रसाद,जो कभी खत्म नहीं होता

यूनिक समय, मथुरा। झारखंड की राजधानी रांची के धुर्वा स्थित करीब 350 साल पुराने जगन्नाथ मंदिर का किचन इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां बनने वाला प्रसाद कभी कम नहीं पड़ता, चाहे भक्तों की संख्या कितनी भी क्यों न हो। इसे लोग भगवान जगन्नाथ की कृपा और चमत्कार मानते हैं।

मंदिर की यह परंपरा पुरी के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर की तरह ही मानी जाती है, जहां प्रसाद सभी भक्तों को मिलने के बाद ही समाप्त होता है। रांची के इस

मंदिर में भी यही अद्भुत अनुभव देखने को मिलता है। यहां रोजाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं, लेकिन आज तक कोई भी भक्त भूखा नहीं लौटा।

मंदिर के रसोइया सुरेश बताते हैं कि कई बार ऐसा होता है कि राशन सीमित होता है, लेकिन भक्तों की संख्या अचानक बढ़ जाती है। इसके बावजूद प्रसाद सभी के लिए पर्याप्त हो जाता है। वे इसे प्रभु की कृपा मानते हैं। उनके अनुसार, "हम बस भोजन बनाते हैं, लेकिन कैसे सबके लिए पूरा हो जाता है, यह समझ से परे है।"मंदिर के किचन में शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां केवल मुख्य पुजारी और रसोइये को ही प्रवेश की अनुमति होती है। खाना पारंपरिक चूल्हे पर पीतल के बर्तनों में बनाया जाता है। किचन में साफ–सफाई के लिए गोबर से लिपाई की जाती है और एक विशेष नल के पानी का ही उपयोग होता है। धार्मिक आस्था के केंद्र इस मंदिर में न केवल पूजा–अर्चना होती है, बल्कि यहां शादी–विवाह जैसे मांगलिक कार्य भी आयोजित किए जाते हैं। पहाड़ी पर स्थित इस मंदिर से रांची शहर का सुंदर दृश्य भी देखने को मिलता है, जिससे यह स्थान श्रद्धा के साथ–साथ पर्यटन के लिहाज से भी खास बन गया है।यहां का यह अनोखा किचन आज भी लोगों के लिए रहस्य बना हुआ है, जिसे भक्त आस्था और चमत्कार का प्रतीक मानते हैं।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई, दिन शुक्रवार: वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई, दिन मंगलवार: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई, दिन बुधवार: अपरा एकादशी
- 14 मई, दिन बृहस्पतिवार: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई, दिन शुक्रवार: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई, दिन शनिवार: ज्येष्ठ अमावस्या, पहली शनि अमावस्या
- 20 मई, दिन बुधवार: वरद चतुर्थी
- 27 मई, दिन बुधवार: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई, दिन बृहस्पतिवार: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई, दिन शनिवार: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

कल का राशिफल

मेष: धन और उन्नति के योग बनेंगे, नई योजनाओं में सफलता मिलेगी। नेतृत्व क्षमता मजबूत रहेगी और परिवार का सहयोग मिलेगा।

वृष: मान–सम्मान में वृद्धि होगी, करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। रिश्तों में संयम रखें, सेहत पर ध्यान देना जरूरी है।

मिथुन: भाग्य का साथ मिलेगा, रुके हुए कार्य पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में सतर्क रहें और परिवार के साथ समय बिताएं।

कर्क: जोखिम भरे कार्यों से बचें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी, रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

सिंह: साझेदारी में लाभ होगा, दांपत्य जीवन बेहतर रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या: कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, समस्याओं का समाधान होगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें और संतुलन बनाए रखें।

तुला: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, नए अवसर मिलेंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक: निवेश के लिए समय अनुकूल है, जल्दबाजी से बचें। काम खुद संभालें और रिश्तों में संयम रखें।

धनु: सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी, करियर में सफलता मिलेगी। खर्च बढ़ सकता है, सोच–समझकर निर्णय लें।

मकर: सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी, मेहनत का फल मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताएं और बड़े फैसले सोच–समझकर लें।

कुंभ: भौतिक सुख मिलेगा, नए प्रयास सफल होंगे। खर्च बढ़ सकता है, संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

मीन: सावधानी से काम लें, खर्चों पर नियंत्रण रखें। मानसिक तनाव से बचें और परिवार के साथ तालमेल बनाए रखें।

रुद्राक्ष का सही चुनाव बदल सकता है महिलाओं का भाग्य

यूनिक समय, मथुरा। रुद्राक्ष को सनातन परंपरा में अत्यंत पवित्र और प्रभावशाली माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसे धारण करने से न केवल आध्यात्मिक लाभ मिलता है, बल्कि मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का भी संचार होता है। आमतौर पर पुरुषों को रुद्राक्ष पहने देखा जाता है, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार महिलाएं भी रुद्राक्ष धारण कर सकती हैं और इससे उन्हें समान रूप से लाभ मिलता है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार महिलाओं के लिए रुद्राक्ष पहनना न केवल सुरक्षित है, बल्कि यह उनके आत्मविश्वास, मानसिक संतुलन और जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होता है।

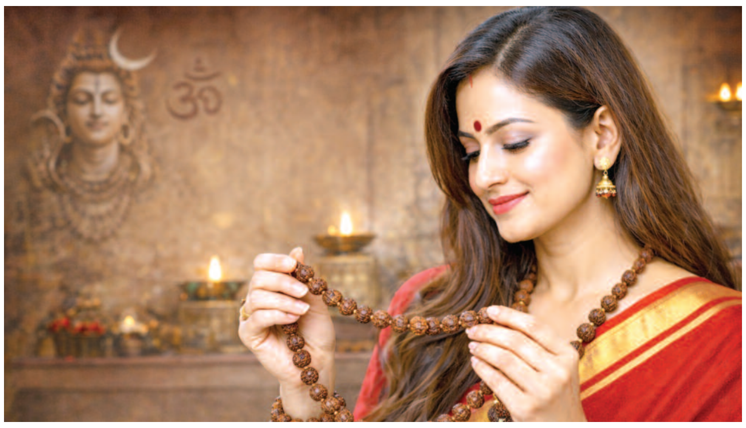

सही रुद्राक्ष का चयन करने से इसके लाभ और भी बढ़ जाते हैं।

महिलाओं के लिए अलग–अलग मुख वाले रुद्राक्ष विशेष रूप से लाभकारी माने गए हैं। एक मुखी रुद्राक्ष मानसिक शांति और एकाग्रता बढ़ाने में मदद करता है। पांच मुखी रुद्राक्ष को सबसे सामान्य और सौभाग्यदायक माना जाता है, जो स्वास्थ्य और सकारात्मक ऊर्जा के लिए उपयोगी है। छह मुखी रुद्राक्ष जीवन में संतुलन और स्थिरता लाने में सहायक होता है, जबकि नौ मुखी रुद्राक्ष धन, सफलता और शक्ति का प्रतीक माना जाता है।

रुद्राक्ष धारण करने से पहले कुछ जरूरी नियमों का पालन करना भी आवश्यक है। इसे कभी भी सीधे बाजार से लाकर नहीं पहनना चाहिए, बल्कि पहले गंगाजल या पंचामृत से शुद्ध करना चाहिए। स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना चाहिए और इसे हमेशा श्रद्धा के साथ धारण करना चाहिए। धार्मिक मान्यता के अनुसार सोमवार या महाशिवरात्रि जैसे शुभ दिन पर रुद्राक्ष पहनना अधिक फलदायी होता है।

इसके अलावा, स्नान या किसी अपवित्र कार्य के दौरान रुद्राक्ष उतार देना चाहिए। महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान रुद्राक्ष धारण करने से बचने की सलाह दी जाती है। साथ ही, अपना पहना हुआ रुद्राक्ष किसी और को नहीं देना चाहिए और न ही किसी अन्य व्यक्ति का पहना हुआ रुद्राक्ष स्वयं पहनना चाहिए।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि रुद्राक्ष को सही विधि और नियमों के साथ धारण किया जाए, तो यह व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और समृद्धि लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

सम्पादकीय

माता-पिता के झगड़े में बच्चे क्यों भुगतें सजा

परिवार का टूटना केवल दो लोगों का अलग होना नहीं होता, बल्कि इसका सबसे गहरा असर उस मासूम पर पड़ता है, जो न तो विवाद का कारण होता है और न ही उसका समाधान। फिर भी सबसे ज्यादा मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक नुकसान उसी बच्चे को उठाना पड़ता है। यही वजह है कि अदालतें बार-बार यह दोहरा रही हैं कि माता-पिता के बीच के विवाद में बच्चे का हित सर्वोपरि होना चाहिए।

हाल के समय में पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट और गुजरात हाईकोर्ट के फैसलों ने इस सिद्धांत को और मजबूत किया है। अदालतों ने स्पष्ट कहा है कि चाइल्ड कस्टडी के मामलों में कानूनी अधिकारों से ज्यादा महत्वपूर्ण बच्चे का समग्र विकास है। इसमें केवल शारीरिक देखभाल ही नहीं, बल्कि उसका भावनात्मक संतुलन, मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा भी शामिल है।

पवन गौतम
संपादक

समस्या यह है कि अलगाव की स्थिति में अक्सर बच्चे को 'अधिकार' की तरह देखा जाने लगता है, जैसे वह किसी एक पक्ष की संपत्ति हो। माता-पिता के बीच चल रही खींचतान में बच्चा एक माध्यम बन जाता है, जबकि सच्चाई यह है कि उसे दोनों के स्नेह और संरक्षण की आवश्यकता होती है। सुप्रीम कोर्ट भी अपने कई फैसलों में यह स्पष्ट कर चुका है कि बच्चे का दोनों माता-पिता के साथ संबंध बनाए रखना उसका मूल अधिकार है।

समाजशास्त्री अध्ययनों से भी यह साबित हुआ है कि माता-पिता के अलगाव का बच्चों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। उनका आत्मविश्वास कमजोर हो सकता है, रिश्तों के प्रति असुरक्षा बढ़ सकती है और भविष्य में उनके सामाजिक व्यवहार पर भी असर पड़ता है। ऐसे में यह जरूरी हो जाता है कि माता-पिता अपने व्यक्तिगत मतभेदों से ऊपर उठकर बच्चे के हित को प्राथमिकता दें।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

इसी संदर्भ में साझा अभिरक्षा (शेयर्ड कस्टडी) एक संतुलित और व्यावहारिक समाधान के रूप में उभर रही है। इससे बच्चे को दोनों माता-पिता का साथ और स्नेह मिलता है, जिससे उसका भावनात्मक विकास बेहतर होता है। यह व्यवस्था न केवल बच्चे के लिए बल्कि समाज के लिए भी सकारात्मक परिणाम ला सकती है। अंततः यह समझना जरूरी है कि बच्चे किसी भी विवाद का हिस्सा नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और संरक्षण के अधिकारी हैं। माता-पिता का अलगाव जीवन की एक परिस्थिति हो सकती है, लेकिन उस परिस्थिति की सजा बच्चे को देना न न्यायसंगत है और न ही मानवीय।

नजरिया

पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था: लोकतंत्र और जनता की सुरक्षा का गंभीर संकट

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम बंगाल में वर्तमान कानून व्यवस्था की स्थिति पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियाँ इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि राज्य प्रशासन गहरे संकट में है। पिछले माह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बंगाल दौरे के दौरान हुई घटनाएँ केवल प्रोटोकॉल के उल्लंघन का मामला नहीं थीं, बल्कि यह उस प्रशासनिक अव्यवस्था का प्रतीक थीं जो राज्य में जड़ें जमा चुकी है।

राष्ट्रपति की नाराजगी ने स्पष्ट किया कि शासन तंत्र किस हद तक असंवेदनशील और मनमानी का शिकार हो गया है। जब देश की प्रथम नागरिक के साथ इस तरह का व्यवहार हो सकता है, तो आम नागरिक की सुरक्षा और सम्मान की स्थिति का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

मालदा की घटना ने इस अराजकता को और भी भयावह रूप में उजागर किया। सात न्यायिक अधिकारियों को घंटों तक घेर कर रखना, उन्हें भोजन और पानी तक नहीं पहुंचना, और प्रशासन का निष्क्रिय बने रहना यह स्पष्ट करता है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उच्चतम न्यायालय ने इसे राज्य प्रशासन की पूर्ण विफलता बताया और कहा कि यह न्यायिक व्यवस्था को डराने का सुनियोजित प्रयास है। कोर्ट ने सीबीआई और एनआईए से जांच कराने के निर्देश दिए, यह दर्शाता है कि राज्य सरकार पर भरोसा करने की स्थिति अब नहीं रही।

उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार की जनसभा में इस स्थिति को 'महाजंगलराज' करार देते हुए स्पष्ट किया कि बंगाल में भय और हिंसा का माहौल कायम है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सरकार बदलने का नहीं, बल्कि भय और भरोसे के बीच की लड़ाई है। प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया कि चुनाव परिणाम के बाद कानून अपना काम करेगा और हर अपराध का हिसाब लिया जाएगा।

इसी संदर्भ में, निर्वाचन आयोग ने भी अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। केंद्रीय बलों की भारी तैनाती, संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा का कड़ा बंदोबस्त, न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, और चुनाव के बाद भी बलों को बनाए रखना यह सुनिश्चित करता है कि मतदान निष्पक्ष और भयमुक्त हो। लगभग 2,000 से 2,500 कंपनियों की तैनाती, ईवीएम और मतगणना केंद्रों की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बल, और आपराधिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई यह सब चुनाव की गंभीरता को दर्शाता है।

निर्वाचन आयोग ने तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोगों को दी जा रही पुलिस सुरक्षा की समीक्षा भी करवाई, यह संदेश स्पष्ट करता है कि सत्ता का दुरुपयोग अब नहीं चलेगा। अपराधियों को संरक्षण देने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई और थाना प्रभारी का निलंबन यह दिखाता है कि जवाबदेही तय होगी और हर गलती का हिसाब लिया जाएगा।

इस समय पश्चिम बंगाल की जनता एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। उसे तय करना है कि वह भय और हिंसा के इस चक्र को जारी रखेगी या बदलाव के मार्ग को चुनेगी। यह चुनाव केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं है, बल्कि राज्य की व्यवस्था को पुनर्जीवित करने और लोकतंत्र को मजबूत बनाने का अवसर है। हर मतदाता का वोट इस अराजकता के खिलाफ एक मजबूत हथियार बन सकता है।

पश्चिम बंगाल का इतिहास विकास, संस्कृति और प्रगति का रहा है। लेकिन आज वह राज्य भय और असुरक्षा का पर्याय बन गया है। जनता के एकजुट संकल्प से ही बदलाव संभव है। प्रधानमंत्री का यह वादा कि चुनाव परिणाम के बाद कानून अपना काम करेगा और हर गुनाह का हिसाब लिया जाएगा, केवल एक राजनीतिक बयान नहीं बल्कि मजबूत संदेश है कि अन्याय का अंत संभव है।

कुल मिलाकर यह चुनाव बंगाल के आत्मसम्मान की लड़ाई है। यह लोकतंत्र की प्रतिष्ठा की लड़ाई है और यह विश्वास की लड़ाई है कि हर नागरिक को सुरक्षित और न्यायपूर्ण समाज में जीने का अधिकार है। अब फैसला जनता के हाथ में है कि वह भय के साथ जीना चाहती है या भरोसे के साथ आगे बढ़ना चाहती है।

यदि बंगाल की जनता अपने मताधिकार का सही उपयोग करे, तो वह न केवल वर्तमान संकट से बाहर आ सकती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य भी सुनिश्चित कर सकती है। चुनाव के नतीजे केवल राजनीतिक परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक और प्रशासनिक परिवर्तन की नींव रखेंगे।

समापन में यह स्पष्ट है कि पश्चिम बंगाल की स्थिति केवल राज्य का मामला नहीं है। यह पूरे देश के लोकतंत्र की परीक्षा है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियाँ जनता को यह संदेश देती हैं कि भय और असुरक्षा के खिलाफ खड़ा होना हर नागरिक का कर्तव्य है। लोकतंत्र तभी मजबूत रहेगा जब जनता अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझे और सक्रिय रूप से उनका प्रयोग करे।

आज का बंगाल केवल एक राजनीतिक लड़ाई का मैदान नहीं है। यह न्याय, सुरक्षा और नागरिक अधिकारों की लड़ाई है। और इस लड़ाई में हर मतदाता की भूमिका निर्णायक है।

विचार विण्डो

कानून में महिलाओं की भागीदारी से सशक्त होगा न्याय

बोध प्रकाश सगुणी

महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और कार्यकुशलता का लोहा मनवा रही हैं। विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, शिक्षा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में उनकी बढ़ती भागीदारी ने समाज की सोच को भी बदला है। लेकिन जब बात न्यायपालिका और वकालत के क्षेत्र की आती है, तो तस्वीर अभी भी संतुलित नहीं दिखती। यह विडंबना ही है कि जिस व्यवस्था का मूल आधार न्याय और समानता है, उसी में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम बनी हुई है।

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका सुझाव है कि केंद्र और राज्य सरकारों को कम से कम 30 प्रतिशत लॉ ऑफिसर और पैनल वकीलों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। यह सुझाव केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि उस असमानता को दूर करने की दिशा में एक ठोस कदम है, जो वर्षों से इस क्षेत्र में बनी हुई है। वर्तमान में वकीलों के नामांकन में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही है, जो इस बात का संकेत है कि अवसरों की कमी अब भी एक बड़ी समस्या है।

विधि के क्षेत्र में महिलाओं की कम भागीदारी के पीछे कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है पेशे की प्रकृति। वकालत और न्यायपालिका में लंबे कार्य घंटे, अनिश्चित दिनचर्या और उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा होती है। ऐसे में पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करने वाली महिलाओं के लिए इस क्षेत्र में टिके रहना और आगे बढ़ना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। इसके अलावा, शुरुआती दौर में मिलने वाला सीमित समर्थन, नेटवर्किंग के अवसरों की कमी और मार्गदर्शन का अभाव भी महिलाओं की प्रगति को प्रभावित करता है।

यह भी एक सच्चाई है कि विधि क्षेत्र में अभी भी एक पारंपरिक और पुरुष-प्रधान मानसिकता हावी है। कई बार महिलाओं को गंभीर मामलों में अवसर नहीं दिए जाते या उन्हें कम महत्वपूर्ण समझा जाता है। इस मानसिकता को बदलना भी उतना ही जरूरी है जितना कि अवसरों का विस्तार करना।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के प्रयास हुए हैं, लेकिन उनकी गति अभी भी धीमी है। इस संदर्भ में पंचायत राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों का उदाहरण उल्लेखनीय है, जहां आरक्षण के माध्यम से महिलाओं को नेतृत्व के अवसर दिए गए। इसका परिणाम यह हुआ कि बड़ी संख्या में महिलाएं निर्णय लेने की प्रक्रिया का हिस्सा बनीं और समाज में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला। यही मॉडल विधि क्षेत्र में भी लागू किया जा सकता है।

यदि न्यायपालिका और वकालत में महिलाओं के लिए न्यूनतम प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए, तो यह केवल संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे न्याय की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। महिलाओं की संवेदनशीलता, सामाजिक समझ और संतुलित दृष्टिकोण कई मामलों में अधिक मानवीय और व्यावहारिक निर्णय देने में सहायक हो सकते हैं। खासकर महिला और बच्चों से जुड़े मामलों में उनकी भागीदारी न्याय प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बना सकती है।

इसके साथ ही, कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए, सुरक्षित और अनुकूल वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। मातृत्व अवकाश, लचीले कार्य घंटे, मेंटरशिप प्रोग्राम और करियर विकास के समान अवसर जैसे कदम इस दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। इससे महिलाएं न केवल इस क्षेत्र में प्रवेश करेंगी, बल्कि लंबे समय तक टिककर नेतृत्व की भूमिका भी निभा सकेंगी।

आज के समय में यह समझना जरूरी है कि महिलाओं को केवल सहानुभूति या प्रोत्साहन से आगे बढ़ाने की बात नहीं है, बल्कि उन्हें कानूनी और संस्थागत रूप से मजबूत बनाना होगा। जब तक उन्हें समान अवसर और अधिकार नहीं मिलेंगे, तब तक वास्तविक समानता संभव नहीं है।

अंततः, यह कहा जा सकता है कि विधि के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल एक सामाजिक आवश्यकता नहीं, बल्कि लोकतंत्र को मजबूत करने की अनिवार्य शर्त है। जब न्याय देने वाली व्यवस्था में हर वर्ग का प्रतिनिधित्व होगा, तभी वह सही मायनों में न्यायसंगत और संतुलित बन सकेगी। महिलाओं की भागीदारी से ही न्याय व्यवस्था अधिक संवेदनशील, समावेशी और प्रभावी बन सकती है। अब समय आ गया है कि इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक समान और न्यायपूर्ण समाज मिल सके।

आईपीएल 2026 में युवा बल्लेबाज की परीक्षा

वैभव सूर्यवंशी बनाम जसप्रीत बुमराह : चुनौती भी, मौका भी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच होने वाला मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है। इस मैच का सबसे बड़ा आकर्षण युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बीच संभावित मुकाबला होगा। क्रिकेट प्रेमियों की नजरें खास तौर पर इस भिड़ंत पर टिकी रहेंगी, क्योंकि यह युवा जोश और अनुभव का दिलचस्प संगम होगा।

संभावना जताई जा रही है कि यह पहला मौका होगा जब सूर्यवंशी, बुमराह की गेंदों का सामना करेंगे। पिछले सीजन में जब दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तब सूर्यवंशी जल्दी आउट हो गए थे और बुमराह के खिलाफ खेलने का अवसर नहीं मिल पाया था। ऐसे में इस बार दोनों खिलाड़ियों के बीच सीधी टक्कर देखने को मिल सकती है, जो मैच को और भी खास बना देगी।

सिर्फ 15 साल की उम्र में सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। वे बड़े शॉट खेलने में माहिर हैं और किसी भी गेंदबाज पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं। दूसरी ओर, बुमराह दुनिया के सबसे खतरनाक और भरोसेमंद गेंदबाजों में गिने जाते हैं। उनकी सटीक लाइन-लेंथ, विविधता और डेथ ओवर्स में शानदार गेंदबाजी बड़े-बड़े बल्लेबाजों को भी मुश्किल में डाल देती है।

सूर्यवंशी के कोच मनीष ओझा का मानना है कि यह मुकाबला उनके शिष्य के लिए एक बड़ी परीक्षा भी है और खुद को साबित करने का सुनहरा अवसर भी। अगर सूर्यवंशी बुमराह जैसे गेंदबाज के खिलाफ रन बनाने में सफल होते हैं, तो यह उनके करियर का अहम पड़ाव साबित हो सकता है। इससे न केवल उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा, बल्कि चयनकर्ताओं की नजरों में भी वे आ सकते हैं।

हालांकि, बुमराह के खिलाफ खेलना आसान नहीं होगा। उनकी गेंदबाजी पावरप्ले से लेकर आखिरी ओवर तक प्रभावी रहती है। ऐसे में सूर्यवंशी को धैर्य और समझदारी के साथ खेलना होगा।

यह मुकाबला केवल दो खिलाड़ियों के बीच नहीं, बल्कि युवा प्रतिभा और अनुभव के बीच एक दिलचस्प जंग के रूप में देखा जाएगा। अब सभी को इंतजार है कि सूर्यवंशी इस चुनौती का सामना कैसे करते हैं और क्या वे इस मौके को यादगार बना पाते हैं।

31 साल के करियर में पहली बार देखा ऐसा व्यवहार

फ्लॉप फिल्म के बाद अक्षय कुमार ने दिखाई ईमानदारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री में जहां सफलता और असफलता आम बात है, वहीं कुछ कलाकार अपने व्यवहार से अलग पहचान बना लेते हैं। हाल ही में फिल्म 'भूत बंगला' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान निर्माता एकता कपूर ने अक्षय कुमार से जुड़ा एक ऐसा किस्सा साझा किया, जिसने सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने बताया कि अपने 31 साल के करियर में उन्होंने किसी अभिनेता को ऐसा करते नहीं देखा।

एकता कपूर ने बताया कि जब उनकी और अक्षय कुमार की फिल्म 'वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई दोबारा' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी, तब अक्षय ने खुद उन्हें फोन किया। इतना ही नहीं, उन्होंने फिल्म से हुए नुकसान की भरपाई के लिए एक चेक भी लौटाने की पेशकश की। अक्षय ने कहा कि फिल्म में नुकसान हुआ है, इसलिए, वह पैसे वापस लेना चाहती हैं तो ले सकती हैं।

एकता इस बात से बेहद प्रभावित हुईं। उन्होंने यह भी कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में इस तरह की जिम्मेदारी लेना बहुत दुर्लभ है। हालांकि, उन्होंने वह चेक लेने से मना कर दिया और इसके बजाय अक्षय के साथ दोबारा काम करने की इच्छा जताई। यही इच्छा अब 'भूत बंगला' के जरिए पूरी हो रही है।

फिल्म 'भूत बंगला' एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसकी कहानी एक ऐसे व्यक्ति के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे एक पुराना बंगला विरासत में मिलता है। बाद में उसे पता चलता है कि वह जगह खतरनाक आत्माओं से जुड़ी है। कहानी में तब मोड़ आता है जब वह एक ऐसे गांव में शादी करने का फैसला करता है जहां 'वधुसुर' नामक शक्ति का डर है। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और वामिका गब्बी नजर आएंगे। यह फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होगी, जबकि 16 अप्रैल की रात से इसके पेड प्रिव्यू शुरू किए जाएंगे।

35 रन पर दो बार सिमटी पूरी टीम

वनडे इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। वनडे क्रिकेट में जहां बड़े-बड़े स्कोर और रिकॉर्ड बनते हैं, वहीं कुछ ऐसे आंकड़े भी हैं जिन्हें कोई टीम अपने नाम नहीं करना चाहती। ऐसा ही एक रिकॉर्ड है वनडे इंटरनेशनल का सबसे छोटा टीम स्कोर, जो सिर्फ 35 रन है। हैरानी की बात यह है कि यह शर्मनाक रिकॉर्ड एक नहीं, बल्कि दो बार बना है।

पहली बार यह घटना साल 2004 में हुई, जब जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम का सामना श्रीलंका क्रिकेट टीम से हुआ। हरारे में खेले गए इस मैच में जिम्बाब्वे की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल 35 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल सकी और महज 18 ओवर में पवेलियन लौट गई। इस मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज चामिंडा वास ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 9 ओवर में 11 रन देकर 4 विकेट लिए, जिसमें चार मेडन ओवर भी शामिल थे। वहीं परवेज माहरूफ ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके। श्रीलंका ने यह मुकाबला महज 9.2 ओवर में आसानी से जीत लिया। यह रिकॉर्ड लंबे समय तक अटूट रहा, लेकिन साल 2020 में एक बार फिर इतिहास दोहराया गया। इस बार संयुक्त राज्य अमेरिका क्रिकेट टीम नेपाल के खिलाफ खेलते हुए केवल 35 रन पर ढेर हो गई। अमेरिकी टीम 12 ओवर ही बल्लेबाजी कर सकी। जवाब में नेपाल क्रिकेट टीम ने मात्र 5.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। वनडे इतिहास में 35 रन का यह न्यूनतम स्कोर अब तक कायम है। यह रिकॉर्ड क्रिकेट की अनिश्चितता को दर्शाता है, जहां किसी भी दिन बड़ी से बड़ी टीम भी पूरी तरह बिखर सकती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि भविष्य में यह रिकॉर्ड टूटता है या लंबे समय तक कायम रहता है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा' से जुड़ा था परिवार

दिशा वकानी के पिता भीम वकानी का निधन

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीवी के लोकप्रिय शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा की अभिनेत्री दिशा वकानी के पिता भीम वकानी का निधन हो गया। उन्होंने अहमदाबाद में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन से परिवार और मनोरंजन जगत में शोक की लहर है। शो के निर्माता असित कुमार मोदी ने इस खबर की पुष्टि करते हुए गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि भीम वकानी न केवल एक प्रतिभाशाली अभिनेता थे, बल्कि दिशा वकानी के करियर को संवारने में उनका बड़ा योगदान रहा। उनका रिश्ता वकानी परिवार से बेहद करीबी और पारिवारिक था। भीम वकानी ने अपने करियर में कई फिल्मों और टीवी प्रोजेक्ट्स में काम किया। वे लगान और स्वदेश जैसी फिल्मों में नजर आए थे, जहां उन्होंने बड़े सितारों के साथ स्क्रीन साझा की। इसके अलावा, वे 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के कुछ एपिसोड्स में भी दिखाई दिए थे। उनके बेटे मयूर वकानी भी इसी शो का हिस्सा हैं। भीम वकानी का अंतिम संस्कार अहमदाबाद में किया जाएगा।

11 साल की उम्र में मिली सफलता

श्वेता बसु प्रसाद बनीं ओटीटी की मजबूत पहचान

यूनिक समय, नई दिल्ली। मनोरंजन जगत में सफलता और संघर्ष साथ-साथ चलते हैं। श्वेता बसु प्रसाद की कहानी भी कुछ ऐसी ही है, जिन्होंने कम उम्र में बड़ी पहचान बनाई, फिर विवादों में घिरीं और अब ओटीटी की दुनिया में मजबूत वापसी कर चुकी हैं।

श्वेता ने साल 2002 में मकड़ी से अपने करियर की शानदार शुरुआत की। इस फिल्म में उनके दमदार अभिनय के लिए उन्हें मात्र 11 साल की उम्र में नेशनल अवॉर्ड मिला। इसके बाद इकबाल और टीवी शो कहानी घर-घर की से वे घर-घर में पहचानी जाने लगीं।

हालांकि, साल 2014 में उनका नाम एक विवाद में आया, जिसने उनके करियर को गहरा झटका दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के चलते उन्हें काफी आलोचना और सामाजिक दबाव का सामना करना पड़ा। बाद में जांच में वे निर्दोष साबित हुईं, लेकिन इस घटना ने उनके पेशेवर जीवन को प्रभावित किया। निजी जीवन में भी उन्हें उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। 2018 में उन्होंने रोहित मित्तल से शादी की, लेकिन 2019 में दोनों अलग हो गए। इन परिस्थितियों के बावजूद श्वेता ने हार नहीं मानी और अभिनय में वापसी का रास्ता चुना। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने उनके करियर को नई दिशा दी। क्रिमिनल जस्टिस, इंडिया लॉकडाउन और त्रिभुवन मिश्रा सीए टॉपर जैसी परियोजनाओं में उन्होंने अपने अभिनय का दम दिखाया। आज श्वेता बसु प्रसाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर एक सशक्त अभिनेत्री के रूप में स्थापित हो चुकी हैं। उनकी कहानी यह साबित करती है कि कठिन परिस्थितियों के बाद भी वापसी संभव है।

योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

शिक्षामित्रों का 18 हजार और अंशकालिक अनुदेशकों का 17 हजार रुपये मानदेय

यूनिक समय, लखनऊ। योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई उत्तर प्रदेश मंत्रिपरिषद की बैठक में कई अहम फैसलों पर मुहर लगाई गई। इनमें सबसे बड़ा निर्णय शिक्षामित्रों के मानदेय को लेकर लिया गया है, जिसे 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 18 हजार रुपये कर दिया गया है।

इसके साथ ही अंशकालिक अनुदेशकों का मानदेय भी 9 हजार रुपये से बढ़ाकर 17 हजार रुपये कर दिया गया है। सरकार के इस फैसले से प्रदेश के करीब 1.43 लाख शिक्षामित्रों और 24 हजार से अधिक अनुदेशकों को सीधा लाभ मिलेगा। बढ़ी हुई राशि का भुगतान आगामी महीनों से लागू किया जाएगा।

कैबिनेट बैठक में प्रदेश के बस अड्डों के आधुनिकीकरण का भी बड़ा फैसला लिया गया। राज्य के 49 बस अड्डों को एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से

14 अप्रैल से भीमराव अंबेडकर की प्रतिमाओं के नवीनीकरण का अभियान शुरू

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि भीमराव अंबेडकर सहित संविधान निर्माताओं की प्रतिमाओं का नवीनीकरण किया जाएगा। इसके तहत छत, चबूतरे और सौंदर्यीकरण होगा। यह अभियान 14 अप्रैल से शुरू होगा, जिसका उद्देश्य महान विभूतियों का सम्मान और उनके विचारों का संरक्षण करना है।

29 जिलों के बस अड्डे एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से होंगे लैस

लैस किया जाएगा, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

इसके अलावा, डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती से पहले उनके स्मारकों के विकास और सौंदर्यीकरण को लेकर भी अहम निर्णय लिया गया है। सरकार हर विधानसभा क्षेत्र में आंबेडकर से जुड़े 10 स्मारकों का विकास कराएगी, जिसके लिए करीब 403 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि बैठक में 20 से अधिक प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। सरकार का मानना है कि इन फैसलों से न केवल शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि प्रदेश के बुनियादी ढांचे और सामाजिक विकास को भी गति मिलेगी।

ग्रेटर नोएडा में बनेगा मेट्रो विश्वविद्यालय

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में ग्रेटर नोएडा में 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को मंजूरी दे दी गई है। यह विश्वविद्यालय 26.1 एकड़ भूमि पर स्थापित किया जाएगा और इससे प्रदेश में शिक्षा के नए आयाम खुलने की उम्मीद है।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि यह निर्णय उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के तहत लिया गया है। प्रस्ताव प्रायोजक संस्था सनहिल हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किया गया था, जिसे सभी कानूनी प्रक्रियाओं के बाद स्वीकृति दी गई।

सरकार का मानना है कि इस विश्वविद्यालय की स्थापना से युवाओं को आधुनिक और रोजगारपरक शिक्षा मिलेगी। साथ ही, प्रदेश में कौशल विकास और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह पहल न केवल शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाएगी, बल्कि निजी निवेश को भी प्रोत्साहित करेगी।

योगी सरकार लगातार उच्च शिक्षा के विस्तार और सुधार पर जोर दे रही है। नए विश्वविद्यालयों के खुलने से प्रदेश के छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और उन्हें अन्य राज्यों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह कदम उत्तर प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

कैराना में एटीएस की छापेमारी चार संदिग्ध हिरासत में

यूनिक समय, शामली। शामली जिले के कैराना क्षेत्र में मंगलवार तड़के एटीएसने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार संदिग्ध युवकों को हिरासत में लिया। यह कार्रवाई खुफिया सूचना के आधार पर की गई, जिसमें संदिग्ध गतिविधियों और संभावित विदेशी कनेक्शन की आशंका जताई गई थी। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब तीन बजे सहारनपुर से आई एटीएस टीम कैराना कोतवाली पहुंची और स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर नगर के कई इलाकों और आसपास के गांवों में एक साथ दबिश दी। इस दौरान चार युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ के लिए अपने साथ ले जाया गया। सूत्रों के मुताबिक, इन युवकों से नकली करेंसी के नेटवर्क और पाकिस्तान से संभावित संपर्क को लेकर पूछताछ की जा रही है। हालांकि, इस मामले में अभी तक आधिकारिक तौर पर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है। स्थानीय पुलिस अधिकारियों ने भी विस्तृत टिप्पणी करने से परहेज किया है। एटीएस की इस कार्रवाई के बाद पूरे क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं, जबकि सुरक्षा एजेंसियां मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हैं। जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा होने की संभावना है।

होर्डिंग्स से गरमाई सियासत अखिलेश पर साधा निशाना

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में फिल्म 'धुरंधर-2' को लेकर सियासत तेज हो गई है। राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के खिलाफ विवादित होर्डिंग्स लगाए गए हैं, जिनमें उन्हें फिल्म के किरदार 'रहमान डकैत' की तरह दिखाया गया है।

होर्डिंग्स में एक तरफ अखिलेश के शासनकाल को अपराध और अराजकता से जोड़ते हुए दर्शाया गया है, जबकि दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की छवि को सख्त प्रशासन के रूप में प्रस्तुत किया गया है। पोस्टरों में सवाल किया गया है- "आपको क्या चाहिए?"

ये होर्डिंग्स 'यूथ अगेंस्ट माफिया' नामक संस्था द्वारा लगाए गए बताए जा रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम के बाद प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है और फिल्म को लेकर भी विवाद गहराता जा रहा है।

महाकुंभ के आईआईटीयन बाबा ने रचाई शादी, घर पहुंचे

यूनिक समय, प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ से चर्चा में आए अभय सिंह एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका विवाह है। अभय सिंह ने प्रीतिका से शादी कर ली है और 6 अप्रैल को पहली बार पत्नी के साथ अपने पैतृक घर हरियाणा के झज्जर पहुंचे।

घर पहुंचते ही परिवार में खुशी का माहौल बन गया। भगवा वस्त्र पहनकर पहुंचे अभय सिंह और उनकी पत्नी का पारंपरिक तरीके से जोरदार स्वागत किया गया। उनकी मां ने थाल सजाकर बहू की आरती उतारी और गृह प्रवेश कराया। इसके बाद बहू को मिठाई खिलाकर आशीर्वाद दिया गया। यह भावुक पल कैमरे में कैद हो गया, जिसका दृश्य अब सामाजिक माध्यमों पर तेजी से फैल रहा है।

अभय सिंह पहले अपने साधु जीवन और अलग जीवनशैली को लेकर चर्चा में थे, लेकिन अब उनके विवाह की खबर ने लोगों को चौंका दिया है। आसपास के लोग भी उन्हें देखने के लिए जुट गए। यह घटना दर्शाती है कि आध्यात्मिक जीवन और पारिवारिक जिम्मेदारियों के बीच संतुलन संभव है, इसलिए यह कहानी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

आंधी-बारिश से अलीगढ़ बेहाल

शहर में जलभराव, गांवों में फसल तबाह

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ में अचानक बदले मौसम ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं जनजीवन को भी प्रभावित कर दिया। मंगलवार दोपहर करीब तीन बजे पश्चिमी विक्षोभ के असर से आसमान में काले बादल छा गए और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश शुरू हो गई। तेज झोंकों के कारण सड़कों पर धूल उड़ने लगी और कई स्थानों पर पेड़ों की टहनियां टूटकर गिर गईं, जिससे यातायात भी प्रभावित हुआ।

बारिश के चलते शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बाजारों में अफरा-तफरी का

माहौल रहा और लोग बारिश से बचने के लिए इधर-उधर शरण लेते नजर आए। हालांकि तापमान में गिरावट आने से उमस और गर्मी से राहत जरूर मिली।

वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में इस बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी फसल तेज बारिश और हवाओं के कारण गिर गई, जबकि कटी हुई फसल पानी में भीगकर खराब हो गई। लगातार हो रही बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है।

अपनी मेहनत की फसल बर्बाद होते देख कई किसानों की आंखें नम हो गईं। मौसम विभाग के अनुसार अलीगढ़ सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनों तक मौसम खराब बना रह सकता है। आंधी-तूफान के साथ बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। साथ ही 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और वज्रपात होने की भी चेतावनी दी गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस मौसम बदलाव के कारण तापमान में 6 से 8 डिग्री तक गिरावट आ सकती है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

नागपुर में विस्फोटक मिलने से शहर में अलर्ट

आरएसएस मुख्यालय के पास मिला विस्फोटक से भरा बैग

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में मंगलवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मुख्यालय के पास भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद हुई। पुलिस ने तुरंत इलाके को घेरकर जांच शुरू कर दी और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। वहीं प्रशासन ने शहर में अलर्ट घोषित कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, सीए रोड स्थित दोसर भवन चौक इलाके में एक घर के छोटे गार्डन में संदिग्ध बैग पड़ा मिला। घर के मालिक की सूचना पर पुलिस, बम निरोधक दस्ता और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच में

बैग से 15 जिलेटिन स्टिक, 50 डेटोनेटर और 8 कनेक्टर बरामद किए गए, जिन्हें सुरक्षित तरीके से जब्त कर लिया गया है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि ये विस्फोटक एक से डेढ़ महीने पहले वहां रखे गए हो सकते हैं। हालांकि इन्हें किसने और किस मकसद से रखा, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। यह क्षेत्र संवेदनशील माना जाता है, क्योंकि यहां से कुछ दूरी पर धार्मिक स्थल और करीब डेढ़ से दो किलोमीटर दूर आरएसएस मुख्यालय स्थित है। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं और इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले की गहन जांच जारी है और संदिग्धों की तलाश की जा रही है। साथ ही लोगों से सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई है।

पवन खेड़ा के घर पहुंची असम पुलिस, आरोपों पर सियासी घमासान तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के खिलाफ विवाद गहराता जा रहा है। मंगलवार को असम पुलिस की टीम दिल्ली पुलिस के साथ उनके निजामुद्दीन ईस्ट स्थित आवास पर पहुंची। जानकारी के मुताबिक, असम पुलिस की चार सदस्यीय टीम स्थानीय पुलिस के सहयोग से उनके घर पहुंची, हालांकि उस समय खेड़ा घर पर मौजूद नहीं थे और बताया जा रहा है कि वे दिल्ली से बाहर हैं।

सीएम हिमंता की पत्नी पर फर्जी पासपोर्ट के लगाए थे आरोप

यह पूरा मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा पर लगाए गए आरोपों से जुड़ा है। पवन खेड़ा ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि रिनिकी के पास तीन देशों के पासपोर्ट हैं और उनके विदेशों में निवेश व संपत्तियां हैं। इन आरोपों के बाद मामला तेजी से राजनीतिक रंग ले गया।

सीएम हिमंता बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी की ओर से इन आरोपों को पूरी तरह झूठा बताते हुए खेड़ा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई है। रिनिकी भुयान शर्मा ने कहा कि यह आरोप निराधार हैं और इन्हें फैलाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और फोटोशॉप जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने इसे अपनी छवि खराब करने की साजिश बताया।

वहीं, मुख्यमंत्री हिमंता ने भी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पवन खेड़ा के खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज हैं और जांच जारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए उग्रवादी संगठनों से संपर्क करने की कोशिश की गई। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आने वाले समय में सच्चाई सामने आएगी और कानून अपना काम करेगा।

दूसरी ओर, पवन खेड़ा ने भी इस मामले में तीखा पलटवार करते हुए कहा था कि चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री को कथित भ्रष्टाचार के मामलों में जेल जाना पड़ सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम ने सियासी माहौल को गर्म कर दिया है। एक तरफ आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, तो दूसरी ओर पुलिस जांच और कानूनी कार्रवाई भी तेज हो गई है। अब देखना होगा कि जांच में क्या सामने आता है और यह विवाद आगे किस दिशा में जाता है।

यूएई पर पाक सीनेटर का विवादित बयान

'अखंड भारत' टिप्पणी से बढ़ी सियासी हलचल

यूनिक समय, नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात द्वारा पाकिस्तान से कर्ज वापसी की मांग के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इस बीच पाकिस्तानी सीनेटर मुशाहिद हुसैन ने विवादित बयान देते हुए यूएई को लेकर 'अखंड भारत' से जुड़ा दावा कर दिया।

एक टीवी इंटरव्यू में मुशाहिद हुसैन ने कहा कि यूएई को पैसों की जरूरत है, इसलिए पाकिस्तान को कर्ज लौटाना चाहिए। उन्होंने तंज भरे अंदाज में यूएई को 'बेचारा मुल्क' भी बताया और पाकिस्तान को उसका 'बड़ा भाई' बताया। सीनेटर ने यह भी दावा किया कि यूएई के विकास और उसकी सेना के प्रशिक्षण में पाकिस्तान की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा यूएई की मदद की है, इसलिए उसे यह एहसान नहीं भूलना चाहिए। अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि यूएई की आबादी का बड़ा हिस्सा भारतीय मूल का है, जिससे उनका संकेत भारत की ओर था।

हालांकि, उनके 'अखंड भारत' वाले बयान को राजनीतिक विशेषज्ञ गंभीरता से नहीं ले रहे हैं और इसे केवल बयानबाजी का हिस्सा मान रहे हैं।

एयर इंडिया के नए नियम से महंगी हुई उड़ानें

यूनिक समय, नई दिल्ली। एयर इंडिया ने यात्रियों के लिए बड़ा बदलाव करते हुए फ्यूल सरचार्ज प्रणाली में परिवर्तन किया है। 8 अप्रैल से कंपनी पुराने एकसमान शुल्क की जगह दूरी आधारित नया स्लैब लागू करेगी, जिससे हवाई यात्रा महंगी हो जाएगी।

नए नियम के तहत अब किराया इस बात पर निर्भर करेगा कि यात्री कितनी दूरी की यात्रा कर रहा है। छोटी दूरी पर कम और लंबी दूरी की उड़ानों पर अधिक फ्यूल सरचार्ज देना होगा। उदाहरण के तौर पर 500 किलोमीटर तक की यात्रा पर करीब 299 रुपये अतिरिक्त लगेंगे, जबकि लंबी दूरी की उड़ानों में यह शुल्क 899 रुपये तक पहुंच सकता है।

यह बदलाव केवल घरेलू उड़ानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर भी लागू होगा। अनुमान है कि विदेश यात्रा के टिकटों में 2200 रुपये से लेकर 26 हजार रुपये तक की बढ़ोतरी हो सकती है।

कंपनी के अनुसार, जेट ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण यह फैसला लेना जरूरी हो गया था, जिससे परिचालन लागत में लगातार इजाफा हो रहा है।

सीवान झड़प मामला

ओसामा शहाब पर एफआईआर, जांच तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के सीवान जिले में हुई झड़प के मामले में आरजेडी विधायक ओसामा शहाब की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। पुलिस ने उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह घटना एमएच नगर थाना क्षेत्र के सेमारी गांव में हुई, जहां जीप और ऑटो-रिक्शा की टक्कर के बाद दो पक्षों में विवाद बढ़ गया और पथराव शुरू हो गया। इस दौरान कुछ पुलिसकर्मी भी मामूली रूप से घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक पूरन कुमार झा के मुताबिक, इस मामले में दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। एक शिकायत जीप सवार पक्ष की ओर से दर्ज कराई गई, जिसमें ओसामा शहाब का नाम शामिल है। हालांकि दूसरी प्राथमिकी में उनका नाम

नहीं है और दोनों पक्षों के आरोपों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और यह भी देखा जा रहा है कि घटना के पीछे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता तो कारण नहीं है। गौरतलब है कि ओसामा शहाब, दिवंगत पूर्व सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे हैं और उन्होंने 2025 में पहली बार चुनाव जीतकर राजनीति में कदम रखा था।

पुणे में दिल दहला देने वाली वारदात, मां ने बेटे की हत्या की

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पुणे से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां एक मां ने अपनी दूसरी शादी की चाह में अपने ही 11 महीने के बेटे की हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी महिला पूजा रवींद्र पवार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच के अनुसार, महिला को लग रहा था कि उसका छोटा बच्चा उसकी दूसरी शादी में बाधा बन सकता है। इसी सोच के चलते उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि घर के बाहर बने चबूतरे पर उसने बच्चे का सिर कई बार पटका, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी ने सबूत मिटाने की कोशिश की। उसने बच्चे के शव को एक बैग में रखा, उसमें पत्थर डाले और पास के कुएं में फेंक दिया। घटना को छिपाने के लिए उसने खून के निशान भी साफ किए। जब बच्चे के पिता को उसके अचानक गायब होने पर शक हुआ, तो उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पूछताछ के दौरान महिला ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। इस घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है और लोगों में गहरा आक्रोश व दुख है।

कश्मीर में लश्कर के नेटवर्क का भंडाफोड़

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में आतंक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने संयुक्त ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान 16 साल से फरार चल रहे आतंकी सरगना अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा समेत कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, अबू हुरैरा लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों की निगाह में था और देश के अलग-अलग राज्यों में लश्कर के ठिकाने तैयार करने में सक्रिय था। उसके साथ एक अन्य पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब को भी गिरफ्तार किया गया है।

इस ऑपरेशन में जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत कुल 19 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और आपत्तिजनक सामग्री बरामद हुई है, जिससे नेटवर्क के व्यापक फैलाव का खुलासा हुआ है।

गिरफ्तार पांच आरोपियों में से तीन श्रीनगर के निवासी हैं, जिन पर आतंकियों को आश्रय, भोजन और अन्य जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने का आरोप है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, यह नेटवर्क आतंकियों को वित्तीय और लॉजिस्टिक सपोर्ट देने में सक्रिय था।

प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आतंकी जाली दस्तावेजों

16 साल से फरार आतंकी गिरफ्तार

के सहारे देश के भीतर और बाहर आवाजाही कर रहे थे। बताया जा रहा है कि ये आतंकवादी करीब 16 साल पहले भारत में घुसपैठ कर चुके थे और कश्मीर घाटी के विभिन्न इलाकों में सक्रिय रहे। इस दौरान उन्होंने करीब 40 विदेशी आतंकियों को शरण और सहयोग दिया। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस कार्रवाई से एक बड़े आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त किया गया है। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है और आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे होने की संभावना है।

हिमाचल में मौसम का कहर दो दिन ऑरेंज अलर्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हिमाचल प्रदेश में अगले 48 घंटों के लिए भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज हवाओं का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला समेत कई जिलों में 50 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार 7 से 9 अप्रैल तक प्रदेश में मौसम खराब रहेगा, जबकि 8 अप्रैल को हालात ज्यादा गंभीर हो सकते हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी भी संभव है।

लगातार खराब मौसम से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है और सेब जैसी फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

आंधी में उड़ा भूसा, बारिश ने फिर भिगोई फसल

आंधी बनी आफत, रास्ते हुए बंद

मथुरा में बारिश के दौरान भीगते जाते लोग।

घरों पर गिरे बिजली के पोल

लोगों ने संभाला मोर्चा, घंटों बाद खुला रास्ता

मंगलवार दोपहर अचानक बदला मौसम, धूल भरी चली आंधी

कहीं हल्की तो कहीं तेज वर्षा से किसान हुए मायूस, खेती का काम रुका

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। मंगलवार सुबह से ही मौसम साफ था, चमकदार धूप भी निकली थी। ऐसे में किसान बीते दिनों में वर्षा से गीली फसल को सुखाने में जुटा था, गेहूं मढ़ाई का काम भी चल रहा था। अचानक दोपहर में मौसम पलटा और तेज धूल भरी आंधी के बाद हुई वर्षा ने सब चौपट कर डाला। वर्षा की वजह से फसल भीगी तो किसान मायूस हो गए।

सुबह धूप निकलते ही किसान वर्षा की वजह से भीगी गेहूं की फसल को सुखाने और सहेजने में जुट गया तो कुछ किसान गेहूं फसल की मढ़ाई करने में लग गए। मौसम साफ था तो गांव–गांव फसल की मढ़ाई का काम भी तेजी से होने लगा।

चमकदार धूप किसानों के चेहरे पर राहत के भाव दर्शा रही थी, लेकिन दोपहर करीब दो बजे अचानक मौसम फिर पलटी मार गया। धूल भरी तेज आंधी की वजह से किसानों का काफी भूसा उड़ गया। मौसम का यह हाल देखकर किसानों ने गेहूं मढ़ाई का काम रोक दिया, लेकिन इसी बीच हुई हल्की और तेज वर्षा ने किसानों के चेहरे पर मायूसी के भाव बिखेर दिए। वर्षा की वजह से किसान खेतों में ही बैठकर अपने भाग्य को कोसते दिखाई दिए।

परखम के किसान विजय और गांव बेरी के किसान बृजेश कुमार का कहना है कि निकले खेतों में पानी भरने से गेहूं की फसल खराब हो रही है, अगर मौसम एक–दो दिन और ऐसा ही बना रहा तो किसान पूरी तरह चौपट हो जाएगा।

वहीं जनपद में देर रात और मंगलवार दोपहर आई तेज आंधी ने शहर से लेकर गांवों तक अफरा–तफरी का माहौल बना दिया। तेज हवाओं के चलते कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के खंभे गिर गए, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। राहत की बात यह रही कि किसी भी घटना में जनहानि नहीं हुई, लेकिन नुकसान और दहशत ने लोगों को झकझोर दिया। देर रात एक प्रमुख मार्ग पर अचानक पेड़ और बिजली का खंभा सड़क के बीचों–बीच गिर पड़ा।

देखते ही देखते यातायात ठप हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। अंधेरे में फंसे लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह रास्ता साफ कराया गया, तब जाकर आवागमन बहाल हो सका।

गांव परखम में बिजली का खंभा टूटकर सीधे निक्कू के मकान पर गिर गया। घटना के वक्त परिवार घर के अंदर था, जिससे कुछ देर के लिए अफरा–तफरी मच गई। गनीमत रही कि कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन मकान को नुकसान पहुंचा और क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई।

ग्राम परखम में निक्कू के मकान के ऊपर गिरा पड़ा खंभा। आंधी से गिरे पेड़ और पोलों से बंद हुए रास्ते का नजारा।

आकाशीय बिजली गिरने से मकान क्षतिग्रस्त

यूनिक समय, गोवर्धन। क्षेत्र की ग्राम पंचायत अडींग के नगला हरिपुरा में तड़के एक बड़ा हादसा होते–होते टल गया। सुबह करीब चार बजे आकाशीय बिजली गिरने से एक मकान क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरिपुरा निवासी चौधरी विश्वेन्द्र सिंह अपने परिवार के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान अचानक गिरी बिजली ने उनके मकान को क्षतिग्रस्त कर दिया। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त परिवार के सदस्य दूसरे कमरे में सो रहे थे, जिससे सभी सुरक्षित बच गए। पीड़ित मकान स्वामी विश्वेन्द्र सिंह ने बताया कि सुबह करीब चार बजे अचानक तेज आवाज के साथ बिजली गिरी, जिससे मकान का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

श्री राम कथा श्रवण को ब्रज के संत और महंतों को निमंत्रण

गो ग्राम परखम में आयोजित श्री राम कथा आयोजन की जानकारी देते समिति के पदाधिकारी।

श्रद्धालुओं के लिए विशाल पंडाल हो रहा तैयार, बैठने को कुर्सी का है इंतजाम

10 अप्रैल से गो ग्राम परखम में कथा सुनाएंगे स्वामी कैलाशानंद गिरि, देशभर में निमंत्रण

यूनिक समय, फरह। गो ग्राम परखम में महामंडलेश्वर स्वामी कैलाश आनंद गिरि श्री राम कथा सुनाएंगे। श्रद्धालुओं के लिए वाटरप्रूफ पांडाल तैयार हो रहा है। कथा के लिए ब्रज के सभी साधु–संत संत, आचार्यों के अलावा देशभर में निमंत्रण दिया गया है। यह जानकारी गो ग्राम परखम स्थित दीनदयाल कामधेनु गोशाला परसर में स्थापित अशोक सिंघल सभागार में आयोजित पत्रकारवार्ता में मंगलवार को श्री राम कथा आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने दी।

गोशाला के मंत्री हरीशंकर ने बताया कि 10 से 16 अप्रैल तक कथा का आयोजन किया जा रहा है तथा 17 अप्रैल को भंडारा आयोजित होगा। कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाठक ने बताया कि 10 अप्रैल को सुबह 10 बजे कथा का शुभारंभ महिलाओं की कलश यात्रा के साथ होगा, जिसमें सैकड़ो महिलाएं सहभागिता करेंगी। स्मारक समिति के निदेशक सोनपाल ने कहा कि राम कथा आयोजन के लिए बनाई गई समिति में नोएडा, आगरा, फिरोजाबाद, भरतपुर, हाथरस, मथुरा और आगरा के बंधुओं को शामिल किया गया है।

एसकेएम ग्रुप कराएगा श्रद्धालुओं को नि:शुल्क कैला माता के दर्शन

प्रथम नि:शुल्क बस सेवा यात्रा की जानकारी देते समाज सेवी कुलदीप ठाकुर और अन्य।

15 अप्रैल को दोपहर दो बजे महुअन टोल प्लाजा से रवाना होंगी बसें

आना–जाना, खाना और रहना सब कुछ होगा नि:शुल्क, पंजीकरण कराएं लोग

यूनिक समय, फरह। आर्थिक रूप से कमजोर श्रद्धालुओं को एसकेएम (श्री कैला मां ग्रुप) करौली स्थित कैला माता के दर्शन कराएगा। महुअन टोल प्लाजा से बसों के जरिए केला देवी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए ग्रुप की ओर से खाने और रहने का इंतजाम भी किया जाएगा। यह जानकारी ग्रुप के निदेशक समाजसेवी कुलदीप ठाकुर ने दी है। उन्होंने बताया कि उनके परिवार की इच्छा है कि क्षेत्र के आर्थिक रूप से गरीब लोगों को केला माता के दर्शन कराए जाएं, इसके लिए ग्रुप की ओर से 15 अप्रैल को महुअन टोल प्लाजा से दोपहर दो बजे बसों को केला देवी भवन के लिए रवाना किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बस से जाने वाले श्रद्धालुओं के खाने–पीने और रहने का इंतजाम ग्रुप ही करेगा। 16 अप्रैल को सभी श्रद्धालुओं को महुअन टोल प्लाजा पर वापस लाया जाएगा। समाजसेवी श्यामसुंदर सिंह ने बताया कि 15 अप्रैल को कैला मैया के भवन में छप्पन भोग सजेगा, दिन में भंडारा आयोजित किया जाएगा, जबकि रात को देवी जागरण का आयोजन होगा ।

ग्रुप से जुड़े जयपाल सिंह ने बताया कि माता कैला रानी के दर्शन के लिए इच्छुक श्रद्धालु 10 अप्रैल की दोपहर 12 बजे तक महुअन टोल प्लाजा पर आकर अपना पंजीकरण कर सकते हैं । ग्रुप स्वस्थ बुजुर्ग को ही कैला मां के दर्शन कराने को वरीयता देगा।

नगर पंचायत बाजना में मनोनीत सभासदों ने शपथ ली

बाजना नगर पंचायत के मनोनीत सभासदों को शपथ दिलाते एसडीएम रितु सिरोही।

यूनिक समय, बाजना (मथुरा)। ब्रज हितकारी इंटर कॉलेज के परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नव–मनोनीत सभासदों ने शपथ ली।

मुख्य अतिथि मांट विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश चौधरी और विशिष्ट अतिथि उपजिलाधिकारी मांट रितु सिरोही उपस्थित थी।

उपजिलाधिकारी रितु सिरोही ने शासन द्वारा मनोनीत किए गए सभासदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सदस्यों ने नगर के सर्वांगीण विकास और जनहित के कार्यों को पूरी ईमानदारी से करने का संकल्प लिया। विधायक राजेश चौधरी ने मनोनीत सभासदों को बधाई देते हुए कहा मनोनीत सभासदों की नियुक्ति से नगर पंचायत की कार्यक्षमता और बढ़ेगी। सरकार की मंशा है कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक विकास की योजनाएं पहुँचें। नए सदस्य परिषद के साथ समन्वय बनाकर बाजना को आदर्श नगर बनाने में अपना योगदान दें। इस मौके पर चेयरमैन सुभाष चौधरी, अभिषेक चौधरी, दुर्गेश प्रधान, सुभाष प्रधान, रामवीर शर्मा, प्रेमपाल चौधरी, देवीराम, श्यामवीर चौधरी तथा जीतू चौधरी आदि उपस्थित थे।

सामूहिक विवाह समारोह में 11 कन्याओं का विवाह कराया

यूनिक समय, शेरगढ़ (मथुरा)। कस्बा में सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह में 11 गरीब कन्याओं का किया गया। श्रीमद् भागवत आश्रय सेवा संस्थान वृंदावन के आयोजक व्यास छैल बिहारी ने बताया कि समाजसेवी लोकेश गर्ग, गिरिश तिवारी, चाहत गोयल तथा उमेश गोयल सहित अन्य लोगों ने आयोजन स्थल के छबीले छैल बिहारी महाराज का सम्मान किया। बारातियों पर पुष्प वर्षा की। मांट विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश चौधरी ने सभी जोड़ों को आशीर्वाद दिया। मंच की अध्यक्षता सुजीत उपाध्याय ने की। संचालन दीपक गोयल ने किया ।

श्री अक्रूर धाम गोपीनाथ फाउंडेशन के चुनाव

राजकुमार वार्ष्णेय भट्ठे वाले अध्यक्ष चुने गए

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। श्री अक्रूर धाम गोपीनाथ फाउंडेशन के चुनाव संपन्न हो गए, जिसमें राजकुमार वार्ष्णेय (भट्ठे वाले) अध्यक्ष चुने गए। प्रमेष वार्ष्णेय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, शिव नारायण वार्ष्णेय (दिल्ली), अनुज कुमार वार्ष्णेय 'अन्नू' (अलीगढ़) व विनोद कुमार गुप्ता (गोंडा) उपाध्यक्ष बनाए गए। सुधीर कुमार वार्ष्णेय (अलीगढ़) को महामंत्री, लवेश वार्ष्णेय (वृंदावन) को कोषाध्यक्ष तथा रजनीश कुमार (चंदौसी), अरविंद कुमार (दिल्ली), ब्रजेश गुप्ता 'बंटी' (वृंदावन) और अमित गुप्ता 'छोटू' (अलीगढ़) को मंत्री चुना गया।

छूटे परीक्षार्थियों की इंटर प्रयोगात्मक परीक्षा 9-10 अप्रैल को

यूनिक समय, मथुरा। सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश प्रयागराज के निर्देशानुसार वर्ष 2026 की इंटरमीडिएट प्रयोगात्मक परीक्षा से वंचित रह गए छात्र–छात्राओं के लिए 9 एवं 10 अप्रैल को विशेष परीक्षा आयोजित की जाएगी। यह जानकारी जिला विद्यालय निरीक्षक रवींद्र कुमार सिंह ने दी है। उन्होंने बताया कि जिन परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा किसी कारणवश छूट गई थी उनकी परीक्षा निर्धारित तिथियों पर किशोरी रमण गर्ल्स इंटर कॉलेज मथुरा में कराई जाएगी।